खास बात

कंजूस का गढ़ा हुआ धन धरती से तभी बाहर निकलता है जब वह स्वयं धरती में गड़ जाता है।

- अज्ञात

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 187

नर्मदापुरम

शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश बनेगा विमानन और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्रः सीएम

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य विमानन क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के 'उड़ान' विजन को साकार करते हुए मध्य प्रदेश को उत्कृष्ट विमानन केंद्र और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। वर्ष 2030 तक यात्री क्षमता 5.5 मिलियन से बढ़ाकर 10 मिलियन प्रति वर्ष तथा माल कार्गो क्षमता 20 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि प्रदेश में विमानन अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। इंदौर-देवास-उज्जैन क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ एयरपोर्ट सिटी विकसित की जाएगी। यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर आधारित होगी, जिससे निवेश, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बरगी नहर में 4 लड़कियां बही एक सलामत, दो के शव मिले

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने का शौक एक बड़े हादसे में बदल गया। गुरुवार सुबह बरगी थाना क्षेत्र के सालीबाड़ा गांव में रील बनाते समय चार लड़कियां पैर फिसलने से उफनती बरगी नहर के तेज बहाव में बह गईं। इस हादसे में दो के शव मिल चुके हैं, जबकि एक लड़की की तलाश अब भी जारी है। वहीं, एक ने तैरकर अपनी जान बचा ली।(एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि सभी लड़कियां एक ही परिवार की हैं और गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आयी थीं। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पांच लड़कियां नहर पर नहाने गई थीं। इसी दौरान चार लड़कियां नहर के किनारे मोबाइल से वीडियो (रील) बनाने लगीं, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वे गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गईं और लड़कियां बहने लगीं, किनारे पर मौजूद एक युवती ने अपनी साड़ी फेंककर उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की रफ्तार अधिक थी इसलिए साड़ी छूट गई। एक को तैरना आता था, जिसने अपने आपको बचा लिए, लेकिन अपनी सहेलियों को नहीं बचा सकी।

प्रशिक्षण से गायब 76 कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी

जबलपुर। भारत की आगामी जनगणना 2027 को सुचारू और बनाने के लिए नगर निगम ने अपनी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। नगर निगम के 16 संभागों के अंतर्गत आने वाले प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए 3 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अप्रैल से आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मढ़ोताल में प्रारंभ हुआ जो 25 अप्रैल तक चलेगा। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में आई.टी.आई. परिसर में प्रशिक्षण हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फील्ड स्टाफ को जनगणना की बारीकियों से अवगत कराना है ताकि भविष्य में डेटा संकलन में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। प्रशिक्षण के पहले दिन कुल 860 आवंटित कर्मचारियों में से अधिकांश ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। गायब कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस दिए हैं।

अंतर्मना उवाच

खुश रहो और खुश रखो, क्योंकि परेशान होकर जीने से हमारी मुश्किलों का.. समाधान नहीं होता, बल्कि आज का सुकून भी छिन जाता है..!

रिश्तों को ऐसे बचाया जा सकता है-

परतापुर, ज़िला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहरी के 1 बजे 41डिग्री तापमान में तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

*●**पहली बात** – यदि आपको अपनों से कोई शिकायत है, तो सामने वाले व्यक्ति से शांत और सामान्य रूप से बात करें। बातों-बातों में उनकी अच्छी आदतों की सराहना करें और बिना लहजा बदले अपनी शिकायत भी रख दें। इससे न बहस होगी, न दूरी और समाधान भी निकल आएगा।*

*● **दूसरी बात** – यदि आप अपनी चिंताओं को रिश्तों पर थोपते हैं, तो समस्या और बढ़ सकती है। अक्सर पुरुष अपनों की भावनाओं को आसानी से नहीं समझ पाते, जबकि महिलाएँ भावनाओं को अधिक सहजता से समझ लेती हैं। यदि आपकी माँ, पत्नी या कोई करीबी मित्र आपकी परेशानी या चिंताओं को सुनना चाहता है, तो उन्हें सरल और सहज शब्दों में बताइए। इससे मन का भारीपन कम होगा और रिश्तों में अनावश्यक तनाव नहीं आएगा।*

*●**तीसरी बात** – रिश्तों में एक-दूसरे की बात को सुनने, सहने और समझने की कला होनी चाहिए। बात करते समय आक्रामक अंदाज़ या ऊँची आवाज़ रिश्तों में दरार ला सकती है।*

इसलिए --

जब भी अपनी बात रखें, भाषा सरल और शब्द मधुर रखें और बीच-बीच में थोड़ा हास्य भी हो, ताकि संवाद सहज और रुचिकर बना रहे...!!!

■**अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

छिटपुट हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में बम्पर वोटिंग, तमिलनाडु में भी ऐतिहासिक मतदान

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 91.78% मतदान तमिलनाडु में 84.69% लोगों ने डाले वोट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। तमिलनाडु में 84.69 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 91.78 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों राज्यों में स्वतंत्रता के बाद यह अब तक का सबसे अधिक मतदान है। इसके अलावा आज गुजरात और महाराष्ट्र की रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए भी मतदान संपन्न हुआ।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (प्रथम चरण) में ऐतिहासिक मतदान दर्ज किया गया है। इससे पहले तमिलनाडु में वर्ष 2011 में 78.29 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत मतदान हुआ था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रिकार्ड मतदान के लिए चुनाव आयोग दोनों राज्यों के हर मतदाता को सलाम करता है।

दोनों राज्यों में मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडु में पुरुष मतदान 83.57 प्रतिशत, महिला मतदान 85.76 प्रतिशत और तृतीय लिंग का मतदान 60.49 प्रतिशत रहा। पश्चिम बंगाल में पुरुष मतदान 90.92 प्रतिशत, महिला मतदान 92.69 प्रतिशत और तृतीय लिंग का मतदान 56.79 प्रतिशत दर्ज किया गया।

हमले में एक जवान का सिर फटा, महिला की मौत

पश्चिम बंगाल में 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसमें कुल 1478 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो गया। मतदान प्रक्रिया के दौरान कुछ स्थानों पर तकनीकी कारणों से ईवीएम में थोड़ी देर के लिए बाधा आई, जिसे तुरंत सुधार लिया गया। अधिकांश केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चलता रहा और मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन सफल रहा। हालांकि, पहले चरण का मतदान हिंसा और तोड़फोड़ के बीच संपन्न हुआ। कई स्थानों पर मतदान मशीनों में खराबी और सुरक्षा बलों को लेकर शिकायतें भी सामने आईं। दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी पर हमले का आरोप लगा, जबकि बीरभूम के लाभपुर में भाजपा एजेंट के घायल होने की घटना सामने आई। इसी जिले के खैराशोल में ईवीएम खराबी के बाद मतदान रुका, जिसके बाद पथराव और पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की खबरें आईं। एक जवान का सिर फट गया। मुर्शिदाबाद के नाओदा में हुमायूं कबीर के काफिले पर हमले और जालंगी में मशीन खराब होने से मतदान बाधित रहा। पश्चिम मेदिनीपुर में भी झड़प, पिटाई और केंद्रीय बलों पर आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। केशपुर में मतदान के बाद एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। कूचबिहार, आसनसोल और सिलीगुड़ी में भी बूथ प्रभावित करने, गाड़ी पर हमला और फर्जी मतदान जैसी शिकायतें सामने आईं।

उपचुनाव के तहत गुजरात के उमरेठ सीट पर 59.03 प्रतिशत मतदान हुआ। महाराष्ट्र की बारामती सीट पर 57.48 प्रतिशत और राहुरी सीट पर 55.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आयोग के अनुसार अंतिम आंकड़े आने अभी बाकी हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त एस.एस. संधु और विवेक जोशी ने मतदान प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखी। दोनों राज्यों के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई।

आयोग का कहना है कि हाल के वर्षों में निर्वाचन आयोग ने मतदाता भागीदारी बढ़ाने और चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। इसके अलावा मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए एसआईआर की प्रक्रिया भी पूरी की गई है। जिनका प्रभाव इस बार रिकॉर्ड मतदान के रूप में सामने आया है।

नरयावली को दी 63.41 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

हमारी संस्कृति में माता-बहनें सर्वोपरि, उन्हें उनका अधिकारी दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

सागर ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है। बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है। उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

सीएम गुरुवार को सारग जिले के नरयावली में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई। पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े उच्चतम न्यायालय के आदेश को भी इन लोगों ने ही ठुकरा दिया था।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपये की सौगात दे रही है। प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं। प्रदेशभर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुहाता है। माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है। हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सीएम ने बुंदेल केसरी महाराजा छत्रसाल और डॉ. हरिसिंह गौर को नमन किया। इस ममौके पर उन्होंने नरयावली में 27 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विद्यालय नहीं, हमारी 5 हजार साल पुरानी विरासत का प्रतीक है। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने वाले श्रीकृष्ण हमारे आदर्श हैं।

मृत लोगों को जिंदा बता कर ली बीमा पॉलिसी

फर्जीवाड़े से आठ करोड़ हड़पे, सरकारी कर्मचारियों समेत कई पर एफआईआर

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मप्र में बीमा धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के साथ करीब 8 करोड़ की धोखाधड़ी करने के मामले में बीमा एजेंटों, पॉलिसीधारकों के नामांकित व्यक्तियों (नॉमिनी) और कुछ लोकसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ईओडब्ल्यू मुख्यालय भोपाल में दर्ज शिकायत के अनुसार, मंदसौर और उज्जैन क्षेत्र में कई लोगों ने सुनियोजित तरीके से बीमा कंपनी को चूना लगाने की साजिश रची। जांच में सामने आया कि गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों और पहले से मृत व्यक्तियों के नाम पर बीमा पॉलिसियां जारी कराई गई। बाद में उनके नाम पर फर्जी दस्तावेज लगाकर बीमा क्लेम किया गया। शिकायत के सत्यापन के दौरान पता चला कि कई मामलों में मृत व्यक्तियों को जीवित बताकर उनके नाम से पॉलिसी ली गई। इसके बाद उनकी मौत दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज तैयार किए गए और बीमा राशि हासिल करने की कोशिश की गई। ईओडब्ल्यू जांच में यह भी सामने आया कि इस पूरे फर्जीवाड़े में कुछ पंचायत कर्मियों और लोकसेवकों की भूमिका भी संदिग्ध रही।

IPS को धमकी मामले में घिरे भाजपा विधायक प्रीतम लोधी बोले-पार्टी निकालेगी तो भी मंजूर, मैं सही हूं

भोपाल। आईपीएस अधिकारी को धमकी देने के मामले में विवादों में घिरे भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी गुरुवार को भोपाल आए। विधायक को पार्टी की ओर से कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद लोधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझे नोटिस मिलने की सूचना मीडिया के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि मुझे पार्टी की तरफ से बुलाया गया, तो आया हूं। नोटिस का जवाब मौखिक बोलेंगे तो मौखिक दूंगा यदि लिखित मांगेंगे तो लिखित जवाब दूंगा। शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कि पार्टी ने नोटिस दिया है, पहले जांच कर ले। जांच के बाद जो भी कार्रवाई होगी, वह मुझे स्वीकार है। अगर पार्टी बाहर भी निकालती है तो वह भी मंजूर है। मैं सही हूं और सांच को आंच नहीं।

भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा बढ़ाने पर किसान मोर्चा ने सीएम के फैसले का किया स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार को भाजपा किसान मोर्चा ने किसानों के लिए भूमि अधिग्रहण मुआवजा चार गुना करने के सीएम के फैसले का स्वागत करते हुए उत्सव मनाया और मिठाई बांटी।

एमपी सरकार का वीवीआईपी बेड़ा होगा हाईटेक, 24 साल बाद जेट, 15 साल बाद आएगा नया हेलिकॉप्टर

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राज्य शासन को नए सुपर मिड साइज जेट विमान और ट्विन इंजन हेलिकॉप्टर की डिलेवरी जल्द होने वाली है। राज्य सरकार को मिलने वाला आधुनिक बिजनेस जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 जुलाई 2026 तक मिल सकता है। यह अत्याधुनिक विमान कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर इंक. द्वारा तैयार किया जा रहा है। राज्य सरकार इस विमान को संचालित करने के लिए अपने पायलट को विशेष प्रशिक्षण के लिएअमेरिका भेजेगी। ताकि वे इस अत्याधुनिक जेट को सुरक्षित और कुशलता से उड़ा सकें।

करीब 236 करोड़ रुपए के चैलेंजर 3500 एक सुपर मिड-साइज जेट है, जिसमें नौ यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इसकी केबिन ऊंचाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 7 फीट 2 इंच है। यह विमान करीब 459 नॉट्स यानी 850 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और लगभग 6,297 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके अलावा, यह 45,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है और कम लंबाई वाले रनवे (करीब 1,474 मीटर) से भी उड़ान भर सकता है। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि जून-जुलाई 2026 में डिलीवरी का समय है। राज्य सरकार का करीब 170 करोड़ का अत्याधुनिक एच160 हेलीकॉप्टर जनवरी 2027 तक बेड़े में शामिल हो जाएगा। यह हेलीकॉप्टर फ्रांस की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एयरबस हेलीकॉप्टर द्वारा निर्मित है।

हर मौसम और रात में उड़ान भरने में सक्षम

विमानन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ॥160 हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस है और हर मौसम में उड़ान भरने के साथ-साथ रात में भी संचालन करने में सक्षम है। इस हेलीकॉप्टर की खासियत इसकी अल्ट्रा-क्वाइट यानी बेहद कम शोर वाली तकनीक है। इसमें अत्याधुनिक जेट इंजन, पूरी तरह वॉयस कंट्रोल्ड कॉकपिट, एडवांस एवियोनिक्स सिस्टम और बेहतर सुरक्षा के लिए बाई-प्लेन स्टेबलाइजर दिया गया है।

टिहरी गढ़वाल के चंबा-कोटि मार्ग पर बड़ा सड़क हादसा

मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर 300 मीटर गहरी खाई में गिरा, 8 की मौत, दो घायल

टिहरी गढ़वाल ■ एजेंसी

टिहरी गढ़वाल के चंबा-कोटि मार्ग पर नैल के समीप हुए गुरुवार को हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य अब पूर्ण कर लिया गया है। प्रशासन के अनुसार, विकासखंड चंबा क्षेत्र में एक मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन में सवार सभी लोग घनसाली क्षेत्र के निवासी थे, जो हरिद्वार में अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे।

घायलों को जिला चिकित्सालय बौराड़ी में भर्ती कराया गया,जहां नितिका खण्डेलवाल ने पहुंचकर उनका हालचाल जाना। चिकित्सकों के अनुसार एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेहतर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है, जबकि अन्य की हालत स्थिर बताई गई है। दुर्घटना में मृतकों के पोस्टमार्टम की कार्यवाही जारी है। प्रशासन की ओर से परिजनों को सूचित कर दिया गया है और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंजूरी के बाद आदेश जारी : चार आयोगों को मिले अध्यक्ष

कैलाश जाटव बने एससी आयोग के अध्यक्ष, रामलाल रौतेल को एसटी आयोग की कमान

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मप्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद निगम-मंडलों और आयोगों में नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार को राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति आयोग और अनुसूचित जनजाति आयोग की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पदाधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैलाश जाटव को मप्र राज्य अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, रामलाल मालवीय और बारेलाल अहिरवार को आयोग का सदस्य बनाया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त/संचालक पदेन सदस्य के रूप में आयोग का हिस्सा रहेंगे। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, इन नियुक्तियों की अवधि कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 वर्ष होगी।

इसी तरह जनजातीय कार्य विभाग ने भी मप्र अनुसूचित जनजाति आयोग में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। सरकार ने रामलाल रौतेल को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि भगत नेताम और मंगल सिंह धुर्वे को सदस्य बनाया गया है। साथ ही मप्र महिला आयोग की अध्यक्ष पद के लिए रेखा यादव और बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष पद के लिए डॉ. निवेदिता शर्मा के नाम पर मुहर लगाई है। सरकार अन्य आयोगों में भी नियुक्तियां कर सकती है।

निगम-मंडलों की सूची भी जल्द

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आयोगों में नियुक्तियों की शुरुआत के साथ ही अब निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और अन्य बोर्डों में भी नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज हो सकती है। इसे पार्टी संगठन में सक्रिय नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

पाक के बलोचिस्तान में माइनिंग प्रोजेक्ट पर हमला, कम से कम 10 लोग मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक तांबा और सोना माइनिंग प्रोजेक्ट में सशस्त्र समूह के हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। यह क्षेत्र आजादी समर्थक आंदोलन का गढ़ है। यहां बीएलए के विद्रोही पाक को सीधी चुनौती देते रहे हैं। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। द बलोचिस्तान पोस्ट और राजधानी के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बुधवार शाम करीब पौने छह बजे हुई इस वारदात की जानकारी आज दी।

संक्षिप्त समाचार

दवा की ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ 20 मई को बंद रहेंगे मेडिकल

भोपाल। मध्य प्रदेश में 20 मई को दवा दुकानों की हड़ताल का ऐलान किया गया है। भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह बंद बुलाया है। गुरुवार को राष्ट्रीय स्तर पर हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया, जिसमें देशभर के केमिस्ट संगठनों ने हिस्सा लिया। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जिले के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायी इस बंद का समर्थन करेंगे और 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उनकी प्रमुख मांगें हैं- ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट पर रोक और नकली और बिना निगरानी वाली दवाओं पर कार्रवाई आदि है।

हनुमान मंदिर पातरा बरखेड़ी से निकली भव्य शोभा यात्रा

भोपाल। हनुमान मंदिर बरखेड़ी में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के बाद भव्य शोभा यात्रा में प्रभु ने नगर भ्रमण किया। धर्म ध्वजा एवं गाजे बाजे के साथ भक्तिमय माहौल में भक्तों ने भक्ति नृत्य किया। शोभा यात्रा विभिन्न मार्गो से मंदिर आई, यहां भंडारे में प्रसाद वितरण हुआ। मीडिया प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि प्राचीन हनुमान मंदिर में भगवान हरि विष्णु, माता लक्ष्मी, राम दरबार के साथ बाबा खाटू श्याम की प्रतिमा स्थापित की गई। इसके पूर्व अन्न-जल, फल, अधिवास पूजन के साथ कलश यात्रा निकली1 जिसे स्थापित करने का सौभाग्य लक्ष्मी बाई परिवार के पूर्व पार्षद संजय सुधा साहू, रौनक रोशनी साहू उर्मिला सुरेश शिवा साहू, पुरुषोत्तम शिखा, देवराज रियांस साहू, मीना सुरेश हर्ष साहू, मेघा शेष अनन्या साहू, सुप्रिया शिवम साहू, अमरीका, मंजीत, रजनी, अक्ष साहू परिवार को प्राप्त हुआ।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2026 थी। अब विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 26 अप्रैल तक हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा के आवेदन कर सकते हैं। शेष नियम-निर्देश पूर्ववत रहेंगे।

अगले महीने से सुपरफास्ट होगी भोपाल मेट्रो

भोपाल। राजधानी के मेट्रो यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। एमपी मेट्रो जल्द ही मेट्रो की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी में है। अत्याधुनिक कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नलिंग सिस्टम लागू होने के बाद यात्रियों का सफर न केवल तेज होगा, बल्कि पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक भी हो जाएगा। वर्तमान में ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर (एम्स से सुभाष नगर) के बीच सात किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 25 मिनट का समय लगता है। नए सिग्नलिंग सिस्टम के सक्रिय होते ही यह समय घटकर केवल 16 मिनट रह जाएगा। यानी हर ट्रिप में करीब 9 मिनट की बचत होगी। आठ स्टेशनों वाले इस कॉरिडोर पर मई तक इस तकनीक के पूरी तरह चालू होने की संभावना है। पिछले कुछ समय से मेट्रो के ट्रिप में आई कमी को लेकर यात्री परेशान थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जनवरी में 13 ट्रिप से घटाकर अब केवल नौ ट्रिप ही संचालित की जा रही हैं। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि यह कटौती अस्थायी है। सिग्नलिंग सिस्टम के अपग्रेडेशन और सुरक्षा मानकों की जांच के कारण ट्रिप कम किए गए हैं। सिस्टम शुरू होते ही ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी (आवृत्ति) बढ़ा दी जाएगी, जिससे प्लेटफार्म पर इंतजार का समय कम होगा। सीबीटीसी सिस्टम यह एक ऐसी तकनीक है जो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए उन्हें कम अंतराल और तेज गति पर चलाने में मदद करती है। इससे मानवीय हस्तक्षेप कम होता है और सुरक्षा बढ़ती है। मेट्रो प्रबंधन का अनुमान है कि स्पीड बढने के बाद यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा होगा। फिलहाल वीकेंड पर औसत 1500 और कामकाजी दिनों में करीब 300 यात्री सफर कर रहे हैं।

राजधानी में शराब दुकानों पर बढ़ा बवाल

स्कूल और मंदिर के पास ठेके पर लोगों का गुस्सा, सड़क पर उतरे रहवासी

शाहपुरा में स्कूल से 50 मीटर दूर ही ठेका; अरेरा कॉलोनी में मंदिर के पास

भोपाल ■ निसं

भोपाल में शराब दुकानों की शिफ्टिंग को लेकर विरोध का दौर जारी है। गुरुवार दोपहर लोगों ने अरेरा कॉलोनी और शाहपुरा में प्रदर्शन किया। शाहपुरा में स्कूल से 50 मीटर की दूरी पर ही ठेका है, जबकि अरेरा कॉलोनी में मंदिर के पास है। यहां बीजेपी पार्षद भी विरोध में मैदान में उतर गईं। अरेरा कॉलोनी की शराब दुकान का पिछले एक साल से लोग विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर मानव अधिकार आयोग में भी शिकायत हो चुकी है। वहीं, आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने निरीक्षण भी किया था। बावजूद ठेका नहीं हटा तो गुरुवार को लोग फिर से प्रदर्शन करने सडक़ पर उतर गए। हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर उन्होंने जमकर नारेबाजी की।

अरेरा कॉलोनी के रहने वाले कांग्रेस नेता विवेक त्रिपाठी ने बताया, यहां जिस जगह पर शराब दुकान संचालित हो रही है, वह पूरी तरह से आवासीय उपयोग के लिए है, लेकिन वर्तमान में इसका कमर्शियल तरीके से उपयोग हो रहा है, जो पूरी तरह मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 2012 और नगर निगम अधिनियम 1956 का उल्लंघन है।

40 मीटर दूर ही है आर्य समाज मंदिर

रहवासी त्रिपाठी ने बताया कि स्थानीय लोग एक साल से जिला प्रशासन, नगर निगम, आबकारी विभाग और मानव अधिकार आयोग तक शिकायतें दर्ज कर चुके हैं। बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया, यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में शराब दुकान के 40 मीटर की दूरी पर स्थित आर्य समाज मंदिर को मंदिर मानने से ही इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र की शांति, सामाजिक वातावरण और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ा है। प्रतिदिन वहां पर भीड़, वाहनों की आवाजाही, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा और शोर-शराबे की स्थिति बनी रहती है। जिससे महिलाओं और बच्चों के लिए आवागमन तक कठिन हो गया है। आवासीय भूखंड पर शराब दुकान चलाना न केवल अवैध है, बल्कि यह भोपाल नगर निगम के मानचित्र और भूमि उपयोग नीति के भी पूरी तरह विपरीत है।

रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उक्त शराब दुकान को हटाने की कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता त्रिपाठी, क्षेत्रीय पार्षद शिखा गोहिल, सचिन दास बब्बा, रवि शर्मा, लवनीश भाटी, पूर्णेंदु शुक्ला आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की और सरकार को चेतावनी दी अगर इस अवैध दुकान को जल्द नहीं हटाया गया तो अरेरा कॉलोनी के निवासी दुकान पर ताला बंदी करेंगे।

शाहपुरा में भी विरोध का दौर: शाहपुरा थाने के बाद गुलमोहर कॉलोनी इलाके में ही शराब की दुकान खोले जाने से स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। रहवासियों का आरोप है कि बच्चों के स्कूल से मात्र 50 मीटर की दूरी पर शराब दुकान खोली गई है, जो नियमों का उल्लंघन है। स्थानीय नागरिकों, स्कूल प्रबंधन, अभिभावकों एवं छोटे-छोटे बच्चों ने इस शराब दुकान को बंद कर अन्य स्थान पर शिफ्ट किए जाने की मांग की है।

एमपी में अब 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी होगी

केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भेजा पत्र, सीएम ने कल कहा था-केन्द्र से चर्चा कर रहे

भोपाल ■ निसं

एमपी में अब 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार शाम को कहा था कि केन्द्र सरकार से गेहूं खरीदी का कोटा बढ़ाने के लिए चर्चा चल रही है। इसके बाद केन्द्र सरकार की ओर से गेहूं खरीदी का कोटा बढ़ाए जाने की सहमति मिल गई है।

शिवराज को केन्द्रीय मंत्री ने दी जानकारी: केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र भेजकर एमपी में गेहूं खरीदी का कोटा बढ़ाए जाने की जानकारी दी है। 'शिवराज ने केन्द्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री जोशी से गेहूं खरीदी को लेकर चर्चा की थी। इसका जिक्र जोशी ने अपने पत्र में किया है।

सीएम ने कहा था वैश्विक परिस्थितियों के कारण आई दिक्कत: मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण गेहूं के निर्यात में आई कमी और जूट के आयात में आ रही बाधाओं के बावजूद राज्य सरकार किसानों का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक परिस्थितियों के कारण गेहूं एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में वैश्विक परिदृश्य काफी जटिल है, जिसके कारण भारत से गेहूं का निर्यात लगभग न के बराबर हो रहा है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया के युद्ध जैसे हालातों के चलते विदेशों से आने वाले जूट की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इन विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश सरकार ने किसानों का साथ नहीं छोड़ा है और वैकल्पिक तौर पर पॉली बैग्स (पीपी बैग) की व्यवस्था कर गेहूं की खरीदी सुचारू रूप से शुरू कर दी है।

प्रदेश में इस वर्ष 'डबल' हुई पैदावार को देखते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से गेहूं उपार्जन का निर्धारित कोटा बढ़ाने की अपील की है, ताकि बंपर उत्पादन का पूरा लाभ किसानों तक पहुंचाया जा सके।

अभी 78 लाख मीट्रिक टन खरीदी का था लक्ष्य: केन्द्र से अभी तक मध्य प्रदेश में 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का कोटा निर्धारित किया गया था। पिछले साल प्रदेश में 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। इस बार किसान गेहूं खरीदी के पहले इजराइल ईरान युद्ध के कारण जूट इम्पोर्ट करने और गेहूं एक्सपोर्ट में दिक्कत आई। इस वजह से खरीदी देरी से शुरु हो पाई।

सरकार 5 एकड़ तक की जोत वाले किसानों का खरीद रही गेहूं: एमपी के चार संभागों भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में 9 अप्रैल से और बाकी संभागों में 15 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू हुई है। सरकार सिर्फ 5 एकड़ तक की जोत वाले छोटे किसानों से गेहूं खरीद कर रही है। सरकार की ओर से कहा गया है कि छोटे किसानों के बाद मध्यम और फिर बड़े किसानों का गेहूं खरीदा जाएगा।

बच्चों में उल्टी-दस्त का प्रकोप

हमीदिया की ओपीडी में 20-25 प्रतिशत मरीज बढ़े

डॉक्टरों ने ओआरएस और हाइड्रेशन पर दिया जोर

भोपाल ■ निसं

भोपाल में बढ़ती गर्मी के साथ बच्चों में उल्टी-दस्त (गैस्ट्रोएंटेराइटिस) के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। पिछले एक हफ्ते से अस्पतालों में इस तरह के मरीजों की संख्या में इजाफा देखा गया है। हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में 20 से 25 प्रतिशत मरीज उल्टी-दस्त और बुखार की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

हमीदिया के बाल एवं शिशु रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश टिक्कस बताते हैं कि मौजूदा मौसम में तेज धूप और बढ़ती गर्मी के कारण बच्चों में लू के हल्के लक्षणों के साथ उल्टी, दस्त और बुखार का कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है। पिछले 5 से 7 दिनों में ऐसे मामलों में स्पष्ट बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बता दें कि हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 250 से अधिक बच्चे इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमें से करीब 50 से अधिक बच्चे उल्टी-दस्त (गैस्ट्रोएंटेराइटिस) से पीड़ित हैं। पिछले एक हफ्ते से ऐसे मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

विशेषज्ञों ने अभिभावकों को सलाह दी है कि बच्चों को तेज धूप में अनावश्यक बाहर न ले जाएं, बाहर ले जाते समय हल्के सूती कपड़े पहनाएं, बाहर निकलने से पहले हल्का भोजन या तरल जरूर दें।

दवा से ज्यादा जरूरी है पानी की कमी पूरी करना

डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश अभिभावक उल्टी-दस्त को तुरंत बंद कराने के लिए दवाओं पर जोर देते हैं, जबकि सबसे अहम जरूरत शरीर में पानी और लवण की कमी को पूरा करना है। डॉ. टिक्कस के अनुसार उल्टी-दस्त के दौरान शरीर से फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट्स तेजी से निकलते हैं। इसे पूरा करना ही प्राथमिक उपचार है, जिसमें ओआरएस सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने सलाह दी कि बच्चों को ओआरएस घोल सही तरीके से तैयार कर थोड़ा-थोड़ा पिलाना चाहिए। इसके अलावा स्तनपान कराने वाली माताएं बच्चों को दूध देना जारी रखें। साथ ही नारियल पानी, चावल का माड़, पतली खिचड़ी, दलिया और शिकंजी जैसे तरल पदार्थ भी फायदेमंद हैं।

अब तक 2945 स्थानों पर हुई जाँच, 4642 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल ■ निसं

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2945 स्थानों पर जांच की गई, 4642 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 13 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 773 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है।

मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

मंत्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं।

महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

आज भोपाल में पैदल मार्च

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। इसी कड़ी में 24 अप्रैल को राजधानी भोपाल में एक बड़ा शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला जाएगा। इस संबंध में पार्टी ने आधिकारिक पत्र जारी कर संगठन के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं और महिला नेताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। जारी पत्र के अनुसार, वर्ष 2023 में संसद से पारित महिला आरक्षण विधेयक के बावजूद अब तक महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र की भाजपा सरकार महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर रही है और इस मुद्दे पर केवल राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने भाजपा की नीतियों को छलपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों को लागू करने के बजाय उन्हें टालने की राजनीति की जा रही है।

पैदल मार्च का रूट और समय: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर आयोजित इस आंदोलन के तहत 24 अप्रैल को दोपहर 4 बजे पीर गेट स्थित काली मंदिर से रोशनपुरा चौराहा तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, महिला नेता और युवा शामिल होंगे। पार्टी ने इसे जनआंदोलन का रूप देने की तैयारी की है।

महिलाओं के अधिकारों को लेकर नाराजगी

कांग्रेस का कहना है कि देश की आधी आबादी माताएं, बहनें और बेटियां अब भी अपने अधिकारों के लिए इंतजार कर रही हैं। पार्टी ने भाजपा पर महिलाओं के साथ राजनीतिक धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

पत्र में संगठन के सभी जिला, शहर, ब्लॉक और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही सांसदों, विधायकों, पूर्व प्रत्याशियों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को भी इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया है।

माशिमं बोर्ड का कारनामा, सचिव ने कहा- मूल अंकसूची नहीं बनी है उसे सुधरवाया जाएगा

10वीं-12वीं की डिजिटल अंकसूची में गड़बड़ी, मार्कशीट में रेगुलर छात्रों को प्राइवेट बताया

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों के साथ बड़ी गड़बड़ी की है। बोर्ड की 10वीं-12वीं की डिजिटल अंकसूची से यह खुलासा हुआ है। माशिमं ने प्रदेश के हजारों रेगूलर विद्यार्थियों को प्राइवेट बना दिया। बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए प्रदेशभर के विद्यार्थियों के साथ यह गड़बड़ी सामने आई है। पूरे साल छात्रों ने नियमित कक्षाएं लीं। रेगुलर छात्र का शुल्क जमा किया लेकिन जब मार्कशीट मिली तो वे प्राइवेट बन गए। ऐसे एक-दो नहीं, प्रदेशभर में 15 हजार छात्र हैं जिन्हें माशिमं ने अपने रिकार्ड में स्वाध्यायी कर दिया। इससे प्रतियोगी परीक्षा में शामिल विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं। वे सुधार के लिए मंडल के चक्कर के काट रहे हैं।

माशिमं की 10वीं और 12वीं परीक्षा में इस बार प्रदेशभर के 16 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। 11 फरवरी से शुरू हुई इन परीक्षाओं के नतीजे 15 अप्रैल को जारी किए गए थे। 12वीं का रिजल्ट 76.01 फीसदी तो 10वीं में 73.42 फीसदी आया था। मंडल ने परीक्षार्थियों के लिए डिजिटल अंकसूची जारी की है। इसमें बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। प्राइवेट स्कूलों में नियमित दाखिला पाने वाले विद्यार्थियों की अंकसूचियों पर प्राइवेट प्रिंट है। दरअसल मंडल ने मान्यता वाले स्कूलों को गैर मान्यता मानकर विद्यार्थियों को प्राइवेट कर दिया।

इससे विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो सकता है। स्कूल संचालकों ने मंडल से इसकी शिकायत की है। संचालकों के मुताबिक हाईकोर्ट के आदेश के आधार पर मान्यता लेकर आए थे लेकिन मंडल ने अनदेखी की। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा है कि 10वीं-12वीं के बच्चों के भविष्य से यह खिलवाड़ है।

यह सरासर माध्यमिक शिक्षा मंडल की गलती है। मामला निजी स्कूलों से जुड़ा है। इनकी मान्यता लोक शिक्षण संचालनालय ने समाप्त कर दी थी। इसके खिलाफ स्कूल संचालक हाईकोर्ट चले गए। कोर्ट ने अस्थाई मान्यता देने के निर्देश दिए हैं। इस आधार पर डीपीआई ने मान्यता दे दी। रिजल्ट बनाने में इसकी अनदेखी हुई। मंडल के अधिकारियों ने मान्यता प्राप्त स्कूलों निजी स्कूलों को भी गैर मान्यता बताकर वहां के स्टूडेंट को प्राइवेट बता दिया है।

इधर माशिमं ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। बोर्ड के सचिव बुद्धेश वैद्य के मुताबिक अंकसूचियों में गलती के मामले सामने आए हैं। इनमें सुधार करवाया जा रहा है। अभी विद्यार्थियों को डिजिटल अंकसूची मिली है। मूल अंकसूची नहीं बनी है। उसे सुधरवाया जाएगा।

बिजली कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत

कैशलेस हेल्थ स्कीम से मिलेगा लाखों तक का मुफ्त इलाज

भोपाल ■ निसं

राजधानी समेत मध्य क्षेत्र के हजारों बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर बिजली कंपनी ने कर्मचारियों के लिए एक नई कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत अब कर्मचारियों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अपनी जेब से भारी खर्च नहीं करना पड़ेगा।

बिजली कंपनी और बीमा कंपनी मेडसेव के बीच इस योजना को लेकर औपचारिक सहमति बन गई। नई योजना में कर्मचारियों को अपनी सुविधा के अनुसार तीन विकल्प दिए गए हैं। यदि कोई कर्मचारी हर महीने 500 रुपये का प्रीमियम देता है, तो उसे और उसके परिवार को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा।

रिटायर्ड कर्मचारियों को भी फायदा

बिजली कंपनी के एमडी ऋषि गर्ग के मुताबिक यह योजना 1 मई से लागू कर दी जाएगी। इस योजना की खास बात यह है कि इसका लाभ सिर्फ वर्तमान कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मचारी और पेंशनर्स भी इसमें शामिल हो सकेंगे। अब किसी भी गंभीर बीमारी की स्थिति में कर्मचारी निर्धारित अस्पतालों में बिना नकद भुगतान किए इलाज करवा सकेंगे। इसे कर्मचारियों के हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

बुदनी में खेलों का महाकुंभः 'समर स्पेशल कार्निवल' का भव्य शुभारंभ

क्रिकेट और हैंडबॉल से हुई शुरुआत, युवाओं ने दिखाया दमखम और टीम भावना

बुदनी ■ निसं

स्थानीय खेल प्रतिभाओं को मंच देने और गर्मियों की छुट्टियों को ऊर्जा और उत्साह से भरने के उद्देश्य से युवा शक्ति क्लब द्वारा आयोजित 'समर स्पेशल कार्निवल' का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्निवल के पहले ही दिन क्रिकेट और हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में क्षेत्र की दर्जनों टीमों ने भाग लेकर शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि अर्जुन मालवीय, हैंडबॉल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र तिवारी, सचिव राजेश यादव सहित कई गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर युवा शक्ति क्लब के अध्यक्ष तंजीर खान मंटू ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि कार्निवल के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिल रहा है।

कार्यक्रम में विजय सक्सेना, अनिल आहूजा, सोनू चौहान, आशीष चौहान, दीपक गौर, संजय सिंह चौहान, इदरीश खान, मोनू मांझी, पंकज पंजाबी, करण खत्री, पारस भलावी, कोच मोहम्मद इरफान, शुभम चौधरी, विराट भदौरिया, विनीत खत्री एवं अंकित प्रधान सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और युवा मौजूद रहे।

कार्निवल के आगामी दिनों में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

नहर विभाग ने बाईपास रोड के पास से 12 अतिक्रमणकारियों को हटाया

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के नंदरवाड़ा बाईपास रोड पर गुरुवार दोपहर नहर विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर जुग्झोपड़ी बनाकर रह रहे 10 से 12 परिवारों के द्वारा किया गया अतिक्रमण के विरुद्ध नहर विभाग ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम चला कर नहर की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया । यहां पर लोगों ने झोपड़ी बनाकर रह रहे थे नहर विभाग के कर्मचारियों ने गुरुवार दोपहर को जेसीबी की मदद से झोपड़ियां तोड़ दी। इस दौरान झोपड़ी में रहने वाले नागरिकों ने बताया कि नहर विभाग की टीम गुरुवार दोपहर को अचानक जेसीबी लेकर पहुंची और तोड़फोड़ शुरू कर दी। परिवारों का आरोप है कि विभाग ने बहुत पहले नोटिस दिया था। वे खुद ही झोपड़ी खाली कर समान समेट रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने समय नहीं दिया। जल्दबाजी में घर के साथ घरेलू सामान भी तोड़ दिया गया।

एक पीड़ित महिला ने कहा कि, 'हम मजदूरी कर बच्चों को पाल रहे हैं। नोटिस के बाद सामान समेट रहे थे, पर अधिकारियों ने एक न सुनी। अब मकान और सामान सब तोड़ दिया है। अब खुले आसमान के नीचे हैं, कहां जाएं। वहीं इस मामले में नहर विभाग के अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि बाईपास स्थित नहर की जमीन पर अवैध कब्जा था। विभाग तीन बार नोटिस दे चुका है। बार-बार चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुरुवार को कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त समाचार

बरकतउल्ला विविः परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 4 मई तक बढ़ी

बुधनी। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम वर्ष (NEP) के नियमित और स्वाध्यायी छात्रों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब परीक्षार्थी बिना विलंब शुल्क के 4 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 8 मई तक 300 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरे जा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा फॉर्म भरने के लिए ABC आईडी होना अनिवार्य है। छात्र विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर पालिका और बैंक अधिकारियों की बैठक आयोजित

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा बैंक एवं नगर पालिका के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेशनल लोक अदालत में बैंक एवं नगर पालिका के अधिक से अधिक लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण रखने और निराकरण करने के सम्बंध में चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये गये। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, एलडीएम श्री जयदीप भट्टाचार्य, बैंकों के प्रबंधक उपस्थित थे। इसके साथ ही सभी नगर पालिकाओं के सीएमओ और अन्य अधिकारीगण विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

उज्जैन में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

उज्जैन। उज्जैन के नानाखेड़ा थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवक राजनाथ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को उसकी बॉडी बुधवार रात करीब 12 बजे पंतिपले रोड पर एक पत्थर के ढेर के पास पड़ी मिली थी। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने इस दिशा में जांच की मांग को लेकर गुरुवार दोपहर नानाखेड़ा थाने के सामने चक्काजाम कर दिया। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद परिजन शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए। पुलिस को सड़क किनारे युवक की बॉडी पड़ी होने की सूचना रात करीब 12 :30 बजे ली थी। एफआरवी ने बॉडी और जिला अस्पताल पहुंचाई, जहां आज पोस्टमार्टम किया गया। मृतक की पहचान राजनाथ उर्फ राजाराम पिता दिलीप नाथ निवासी कोलूखेड़ी के रूप में हुई है।

दिव्यांग साले की हत्या करने वाले जीजा को उम्रकैद

खंडवा। खंडवा जिले के सिहाड़ा गांव में पिछले साल हुए दिव्यांग युवक की हत्या के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी जीजा महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, घटना 20 सितंबर 2025 की शाम करीब 6.30 बजे की है। मृतक मनीष चांगरे, जो दिव्यांग था, अपने घर के बाहर साइकिल पर बैठा था। उसी दौरान आरोपी महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे चाकू लेकर पहुंचा और पुरानी दुश्मनी के चलते मनीष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

एमपी में भीषण गर्मी, अस्पतालों में रोज पहुंच रहे 150-200 मरीज

ट्रैफिक पुलिस ने 24 चौराहों पर सिग्नल ब्लिंकर मोड में किए, ग्रीन नेट भी लगाए

ग्वालियर ■ निसं

एमपी में बढ़ती भीषण गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। तापमान 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है। ऐसे में प्रदेश के बड़े अस्पतालों में रोजाना करीब 200 मरीज, जिनमें अधिकांश बच्चे शामिल हैं, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याओं के चलते अस्पताल पहुंच रहे हैं। राजधानी भोपाल में ही बढ़ती गर्मी के साथ बच्चों में उल्टी-दस्त (गैस्ट्रोएंटेराइटिस) के मामले तेजी से सामने आए हैं। पिछले एक हफ्ते से अस्पतालों में इस तरह के मरीजों की संख्या में इजाफा देखा गया है। हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में 20 से 25 प्रतिशत मरीज उल्टी-दस्त और बुखार की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

वहीं ग्वालियर में एक सप्ताह से गर्मी के चलते बीमार हुए मरीजों की संख्या 150 के करीब बनी हुई है। ग्वालियर के डॉ. अजय गौड़ के अनुसार, बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रोजाना 100 से 150 बच्चे अपने परिजनों के साथ इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

इनमें से अधिकांश बच्चों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत है। ऐसे में इलाज के साथ-साथ लोगों को ज्यादा पानी और तरल पदार्थ लेने की सलाह दी जा रही है, ताकि डिहाइड्रेशन से बचा जा सके।

ग्वालियर में लोगों को राहत देने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने अहम फैसला लिया है। शहर के 31 में से 24 प्रमुख चौराहों पर दोपहर के समय ट्रैफिक सिग्नल 'ब्लिंकर मोड' पर संचालित किए जाएंगे, ताकि लोगों को तेज धूप में अधिक देर तक खड़ा न रहना पड़े। इसके साथ ही कुछ चौराहों पर सिग्नल के ऊपर ग्रीन नेट भी लगाए जा रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को गर्मी से राहत मिल सके।

ट्रैफिक पुलिस के इस फैसले के तहत दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक चयनित चौराहों पर सिग्नल की सामान्य लाल-पीली-हरी व्यवस्था बंद रहेगी। इसके स्थान पर केवल पीली लाइट लगातार ब्लिंक करती रहेगी। इसका मतलब यह होगा कि वाहन चालकों को रुकने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि सावधानीपूर्वक देखकर आगे बढ़ना होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य तेज धूप में सिग्नल पर खड़े रहने की परेशानी से लोगों को राहत देना है। गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, क्योंकि दोपहर के समय सड़क पर खड़े रहना खासकर दुपहिया चालकों और बुजुर्गों के लिए मुश्किल हो रहा है।

अधिक ट्रैफिक दबाव वाले चौराहों पर चालू रहेगा

हालांकि, कुछ व्यस्त चौराहों को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है, जहां ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है। इनमें डीडी नगर चौराहा, पिंटू पार्क तिराहा, गोला का मंदिर, आकाशवाणी तिराहा, तानसेन तिराहा, यूनिवर्सिटी तिराहा और नाका चंद्रवदनी चौराहा शामिल हैं, जहां सामान्य सिग्नल व्यवस्था जारी रहेगी। इसके अलावा, कई चौराहों पर लोगों को धूप से बचाने के लिए ग्रीन नेट लगाए जा रहे हैं, ताकि सिग्नल पर इंतजार कर रहे लोगों को छांव मिल सके।

जिन प्रमुख चौराहों पर यह व्यवस्था लागू की गई है, उनमें नदी गेट, गोविंदपुरी, हॉस्पिटल चौराहा, चेतकपुरी, सिटी सेंटर, थाटीपुर और परशुराम तिराहा शामिल हैं। इन स्थानों पर दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक सिग्नल ब्लिंकर मोड पर रहेगा, यानी केवल पीली बत्ती जलती-बुझती रहेगी। एएसपी अनु बेनीवाल ने बताया कि जिन चौराहों पर ट्रैफिक का दबाव कम है, वहां सिग्नल को समय-समय पर बंद भी किया जा रहा है।

पोषण पखवाड़ा समापन सह नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के वार्ड क्रमांक 14 सेक्टर कमांक 02 में पोषण पखवाड़ा समापन एवं नारी शक्ति बंधन पखवाड़ा अंतर्गत गोष्ठी का आयोजन किया गयाढ्ढ पोषण पखवाड़ा समापन कार्यक्रमअंतर्गत पौष्टिक व्यंजनों की पोषण प्रदर्शनी एवं पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें ह्व से 5 वर्ष के बच्चों की माताओं एवं गर्भवती माताओ द्वारा पौष्टिक व्यंजनों के द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा जागरूकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड क्रमांक 14 के वार्ड पार्षद दीपक बाथव ,

सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती चंद्रकला बिंडैया द्वारा पोषण के संबंध में जानकारी दी गई ।पोस्टिक आहार निर्माण कैसे किया जाए जिसमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाना, भोज्य पदार्थों में 6 खाद्य समूह में से कम से कम चार खाद्य समूह का समावेश आवश्यक रूप से किया जाने ,स्थानीय उपलब्धता के आधार पर पौष्टिक भोजन का निर्माण एवं भोजन में कम नमक, चीनी,तेल, का उपयोग करने हेतु माताओं को समझाइस दी गई ।

प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती सुचित्रा राजावत द्वारा महिलाओं को सर्वप्रथम स्वयं स्वस्थ रहने सशक्त बनने हेतु प्रेरित किया गया उन्हें भोजन की मात्रा गुणवत्ता एवं बारंबारता पर ध्यान देने की समझा इस दी महिलाओं को स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि सशक्त नारी ही सशक्त परिवार का निर्माण करती है स्वास्थ्य अच्छा होगा तो आपका परिवार स्वस्थ रहेगा किसी प्रकार की कोई रोग समस्याएं नहीं आएंगी इसी प्रकार भोजन में मोटे अनाज,दलहन,वसा, दूध से बने भोज्य पदार्थों का सेवन करने हेतु जानकारी प्रदान की गई।

भगवान चित्रगुप्त का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

सिवनी मालवा ■ निसं

स्थानीय अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ द्वारा गंगा गुरुवार सप्तमी को ग्राम सोमलवाड़ा के चित्रगुप्त मंदिर में सभी चित्रांश बंधुओं ने एकत्र होकर भगवान श्री चित्रगुप्त जी का जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से चित्रांश बंधुओं ने अपने इष्ट देव भगवान चित्रगुप्त का विधि-विधान से पंडित मोहित शर्मा मालापाठ द्वारा मंत्रोच्चार से कर

अभिषेक, हवन, पूजन-आरती की गई ।पूजन, महाआरती, प्रसादी वितरण किया गया ।चित्रांश बंधुओं ने अपने इष्ट देव भगवान चित्रगुप्त जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया। मंदिर प्रांगण में ही स्थित भगवान राम, जानकी, शंकर जी, हनुमान जी के दर्शन भी सभी ने किए। कार्यक्रम में महिलाओं ने मंदिर में भजन-कीर्तन किये। साथ ही सभी चित्रांश बंधुओं ने एक-दूसरे को चित्रगुप्त जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तत्पश्चात मंदिर मे भण्डारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर कायस्थ समाज के सभी महिला,एवं पुरूष सदस्यों में नीलेश श्रीवास्तव, लाल बहाददुर श्रीवास्तव,वीरेंद्र श्रीवास्तव, विनय खरे, विपिन खरे,राजेश(सिल्लू) श्रीवास्तव, राकेश(बब्लू) श्रीवास्तव, उमेश गौड़, पंकज वर्मा,दीपक गौड़ आदि एवम महिलाओं में इंदु सक्सेना,दीपिका सक्सेना, रश्मि खरे, ज्योति श्रीवास्तव, खुशबू श्रीवास्तव, पूजाश्रीवास्तव, ज्योति गौड़,गीतांजली गौड़,शीतल श्रीवास्तव, सरला गौड़, अनन्या खरे सहित सभी सामाजिक महिलाएं, पुरुष, बच्चे एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान से बदली किसान की तकदीर

खेत तालाब बना आय और आत्मनिर्भरता का स्रोत

सीहोर ■ निसं

प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनता जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले में जल संरक्षण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिनका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है। सीहोर जिले के ग्राम ग्वाली निवासी किसान श्री बाबूलाल की कहानी इस अभियान की सफलता को बखूबी दर्शाती है। पहले जहां बाबूलाल वर्षा पर निर्भर खेती करते थे और सिंचाई के सीमित साधनों के कारण फसल उत्पादन भी प्रभावित होता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा चुके हैं।

गत वर्ष चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मनरेगा (वीबीजीरामजी) योजना के तहत बाबूलाल ने आष्टा जनपद पंचायत में खेत तालाब निर्माण के लिए आवेदन किया था, जो स्वीकृत हो गया। शासन की सहायता से उन्होंने लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये की लागत से अपने खेत में तालाब का निर्माण कराया। यह तालाब अब उनके लिए सिर्फ जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का आधार बन गया है।

इस तालाब के निर्माण से बाबूलाल को वर्षा जल का संरक्षण करने का स्थायी माध्यम मिला, जिससे अब वे अपनी फसलों की समय पर सिंचाई कर पा रहे हैं। परिणामस्वरूप उनकी खेती में उत्पादन बढ़ा है और फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है।

खास बात यह है कि बाबूलाल ने इस तालाब का उपयोग मछली पालन के लिए भी शुरू किया है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और कर्मचारियों के वेतन में देरी जैसे उठाए कई अहम मुद्दे

समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता, पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने ज्ञापन सौंपा

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर की जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित सक्रिय दिखाते हुए वार्ड सहित नगर की अनेक समस्याओं को लेकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम का ज्ञापन अकाउंटेंट महेंद्र परिहार को सौंपकर शहर की प्रमुख समस्याओं को उठाया और त्वरित समाधान की मांग की। ज्ञापन में दीपक दीक्षित ने ग्रीष्म ऋतु में बढ़ती मच्छरों की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि शहर में नियमित रूप से फॉगिंग मशीन से

छिड़काव और प्रभावी कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया जाने की मांग की,उन्होंने बताया कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण आम नागरिकों की नींद प्रभावित हो रही है और बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।

दीक्षित ने नगर पालिका की हाजिरी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हाजिरी ऐसे स्थानों पर लगाई जा रही है, जहां छाया जैसी बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। उन्होंने इस व्यवस्था को अव्यवस्थित बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की।

इसके साथ ही दीपक दीक्षित ने शिवराज पार्क के समय में बदलाव करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय ग्रीष्म ऋतु के अनुसार उपयुक्त नहीं है, इसलिए पार्क को समय शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

दीक्षित ने कर्मचारियों के वेतन में हो रही देरी को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि समय पर वेतन न मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके दैनिक जीवन, बैंक ऋण की किश्त, बच्चों की फीस, राशन एवं दवाइयों जैसी आवश्यक जरूरतों पर सीधा असर पड़ता है।

अंत में दीपक दीक्षित ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की कि कर्मचारियों का वेतन हर माह 1 से 5 तारीख के बीच सुनिश्चित किया जाए और सभी जनसमस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

वहीं दीपक दीक्षित ने सीएमओ अमर सिंह उईके से फोन पर चर्चा कर नगर की समस्याओं से अवगत कराया तो सीएमओ अमर सिंह उईके ने तत्काल कार्यवाही करते हुए पार्क का समय परिवर्तन करने का निर्देश दिया। ओर जल्द ही उक्त समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया।

महिला के निधन पर परिजनों ने नेत्रदान और देहदान कराया

सागर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया, दो लोगों को मिलेगी रोशनी, मेडिकल के विद्यार्थी करेंगे शोध

सागर ■ निसं

सागर में 72 वर्षीय महिला के निधन पर उनके परिजन ने नेत्रदान और देहदान कराया। इस कार्य से मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे मेडिकल के विद्यार्थियों को जहां शोध में मदद मिलेगी। वहीं नेत्रदान से दो लोगों के जीवन में नई रोशनी भी मिलेगी। अंगदान करने पर शासन की ओर से पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान दिया गया।

मेडिकल कॉलेज की टीम ने पूरी की प्रोसेसः दरअसल, सागर के मोतीनगर इलाके में रहने वाली 72 वर्षीय सुगंधी बाई जैन का इलाज के दौरान भाग्योदय अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने मौत से पहले अंगदान करने की इच्छा जताई थी। मां की अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए बेटे नितिन जैन, निशांत जैन, बेटी नेहा जैन, दामाद सुरेंद्र जैन और देवर चक्रेश सिंघई ने तत्काल आई बैंक से संपर्क किया। सूचना पर बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज की आई बैंक की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षित तरीके से कोर्निया संरक्षित किया।

अनमोल वचन

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।
– एलिशिया मेकेडो

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
– हेनरी वार्ड बीचर

सम्पादकीय

चुनाव आयोग की तार्किक विसंगति बनाम अतार्किक विसंगति?

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति के नाम पर 27 लाख, 10 हजार नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इन नागरिक मतदाताओं को अंतिम समय तक वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 19 न्यायाधिकरण भी बनाए गए। यह भी मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए। यह सब लोकतांत्रिक, संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकारों के नाम पर किया है। इस प्रक्रिया में इन लाखों मतदाताओं के अधिकार कहां चले गए। इसमें कौन सा तर्क है, और कौन सा वितर्क है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। जो ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट आदेश पर बनाए गए थे, उन्हें मतदान के दो दिन पहले तक सुनवाई कर निर्णय देना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो दिन पहले तक मतदाता सूची को अपडेट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को दी थी। याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में भरोसा दिलाया गया था, मतदाताओं के साथ न्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ट्रिब्यूनल सब जगह मतदाता घूमते रह गए। कहीं से भी न्याय नहीं मिला। लाखों मतदाताओं ने सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन लगाए। 21 अप्रैल तक मात्र 138 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दिए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए। 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम थे, तार्किक विसंगति के नाम पर उनके भी नाम काट दिए गए। इसका क्या तर्क है, यह चुनाव आयोग नहीं बता पा रहा है। इसको देखते हुए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के नाम पर पहले 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। जिनके नाम कटे उसमें सारे गरीब- गुरवे थे, जो कई दिनों तक नाम जुड़वाने के लिए अपनी नौकरी, कारोबार, मजदूरी छोड़कर चक्कर लगाते रह गए। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के नाम पर उन्हें भूखा भी रहना पड़ा। मजदूरी पर नहीं जाने के कारण उनके परिवार के लोगों को खाने-पीने और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। जिस जनता के अधिकारों के लिए चुनाव आयोग, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट व राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है, वह उनके अधिकारों की रक्षा करने में सफल नहीं हो पाए। तार्किक विसंगति के नाम पर सही मतदाता सूची को बनाने के नाम पर लाखों मतदाताओं के नाम जोड़ने की जगह काटे गए है। करोड़ों रुपए इसमें सरकारी खजाने से खर्च किए गए। कई राज्यों के न्यायिक अधिकारियों को चुनाव के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लगा दिया गया। इसका कोई फायदा ही नहीं हुआ। गरीब आखिर गरीब ही होता है। गलती कोई भी करे, गरीब के नसीब में यदि कष्ट लिखा हुआ है, तो कोई क्या कर सकता है। चुनाव आयोग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तार्किक विसंगति की जो रूपरेखा तय की थी, उसका उपयोग केवल पश्चिम बंगाल में किया गया है। चुनाव आयोग और उसमें काम करने वाले लोगों ने डाटा एंट्री मे जो गलती की हैं, उनके द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की गलतियों का खामियाजा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को भोगना पड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। सबसे बड़ी आशंका की बात यह है, बांग्लादेश में जब शेख हसीना का चुनाव हुआ था। वहां पर भी कुछ इसी तरह की स्थितियां बनी थीं। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने शेख हसीना की पार्टी को चुनाव जिताने के लिए जो मदद की थी, अब वही सब कुछ पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव में जिस तरह की क्रिया और प्रतिक्रिया की जा रही है। उसके परिणाम किस रूप में सामने आयेंगे कहना मुश्किल है। बांग्लादेश में भी बंगाली समुदाय और बंगाली संस्कृति के नागरिक थे। पश्चिम बंगाल में भी बंगाली हैं। बंगालियों का डीएनए एक तरह का है। यह आसानी से अपने ऊपर जुल्म बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यह बंगालियों का इतिहास है। तार्किक विसंगति के नाम पर कुतर्क का जो खेल पश्चिम बंगाल में खेला गया है, उसकी परणति किस रूप में होगी इसका पता तो भविष्य में ही चलेगा।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय: हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते।

इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

न्यायपालिका बनाम विधायिका टकराव पर संवैधानिक प्रश्न

सौरभ वार्ष्णेय

> भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है।

दिल्ली की राजनीति में हाल में उभरा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विवाद एक बड़े संवैधानिक प्रश्न को जन्म देता है-क्या यह मामला सच में न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव है, या फिर यह संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है? यह विवाद तब चर्चा में आया जब अदालत की टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सार्वजनिक विमर्श को गर्मा दिया। अदालत ने शासन के कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए, जबकि राजनीतिक पक्ष ने इसे न्यायिक दखल के रूप में देखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम केजरीवाल विवाद को सीधे-सीधे न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव कहना अतिशयोक्ति होगी। यह लोकतंत्र के भीतर चल रही वह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ एक-दूसरे पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखती हैं। असल चुनौती टकराव से बचना नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन और गरिमा को बनाए रखना है- क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है, जहाँ संस्थाएँ स्वतंत्र भी हों और जिम्मेदार भी।

भारतीय संविधान में तीनों स्तंभ-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका-स्पष्ट रूप से अलग-अलग भूमिकाओं के साथ स्थापित किए गए हैं। न्यायपालिका का दायित्व: कानून की व्याख्या करना और यह सुनिश्चित करना कि सरकार संवैधानिक सीमाओं में काम करे। विधायिका का अधिकार: कानून बनाना और नीतियाँ तय करना। ऐसे में जब अदालत किसी सरकारी फैसले पर सवाल उठाती है, तो वह टकराव नहीं, बल्कि संवैधानिक जांच का हिस्सा होता है।

आखिरकार विवाद की असली जड़ क्या है? इस प्रकरण में मूल मुद्दा सीमा-निर्धारण का है। यदि न्यायपालिका नीति निर्माण में गहराई से हस्तक्षेप करे, तो विधायिका को अतिक्रमण महसूस हो सकता है। वहीं, यदि सरकार न्यायिक आदेशों या टिप्पणियों को नजरअंदाज करे, तो यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। यानी, समस्या टकराव की नहीं, बल्कि संतुलन बनाए रखने की है।

लोकतंत्र के लिए क्या संकेत? यानी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह विवाद कुछ महत्वपूर्ण संकेत देता है। संस्थागत संवाद की आवश्यकता: टकराव की बजाय सहयोग और सम्मान जरूरी है। संवैधानिक मर्यादा: हर संस्था को अपनी सीमाओं का सम्मान करना होगा। लोकतांत्रिक परिपक्वता: सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं पर भरोसा बढ़ाना चाहिए।

जस्टिस पर की टिप्पणी–क्या यह उचित है?

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है-इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब टिप्पणी न्यायपालिका जैसे संवैधानिक संस्थान पर हो, तो शब्दों का चयन और मर्यादा दोनों अहम हो जाते हैं।दूसरी ओर, न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है। यदि राजनीतिक नेता न्यायाधीशों के फैसलों या व्यक्तित्व पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने लगें, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। यह स्थिति न्यायपालिका की निष्पक्षता पर अनावश्यक संदेह पैदा कर सकती है।हालांकि, यह भी सच है कि न्यायपालिका आलोचना से परे नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में हर संस्था की समीक्षा होनी चाहिए। लेकिन यह समीक्षा तथ्यों, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के दायरे में होनी चाहिए-न कि व्यक्तिगत या भावनात्मक आरोपों के रूप में।इस पूरे विवाद में मूल प्रश्न संतुलन का है-क्या आलोचना संस्थागत सुधार के लिए है, या राजनीतिक लाभ के लिए? अगर उद्देश्य सुधार है, तो भाषा और मंच दोनों संयमित होने चाहिए। केजरीवाल की टिप्पणी को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चश्मे से नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी के पैमाने पर भी परखा जाना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संस्थाएं एक-दूसरे का सम्मान करते हुए जवाबदेही निभाएं।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को केस से हटाने वाली याचिका खारिज: दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों द्वारा दायर उन अर्जियों को खारिज किया, जिनमें शराब नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के हटने की मांग की गई थी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने टिप्पणी की कि सिर्फ इसलिए कि उनके बच्चे केंद्र सरकार के पैनल वकील हैं, यह नहीं माना जा सकता कि उनके मन में केजरीवाल के प्रति कोई पूर्वाग्रह है। जज ने आगे कहा कि किसी राजनेता को न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। किसी जज की क्षमता का फैसला हाईकोर्ट करता है, न कि कोई वादी। किसी राजनेता को अपनी सीमा पार करने और न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, हो सकता है कि कोई वादी हमेशा सफल न हो, और केवल हाईकोर्ट ही यह तय कर सकता है कि कोई फैसला गलत है या एकतरफा। जिला कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट सही ठहरा सकता है।

ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन

सुनील कुमार महला

> इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमश: ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं।

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-IX जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमश: ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ह भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वत: लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है।एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ? गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,' उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

मनोज कुमार अग्रवाल

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है। आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है। छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी। इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।

खास बात

राहुल गांधी पर एफआईआर के आदेश और निरस्ती करण

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सरकार के निशाने पर बने हुए हैं। राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और सीबीआई जांच के आदेश जारी हुए। कुछ ही घंटे के बाद हाईकोर्ट ने अपने ही आदेश को निरस्त कर दिया। इस मामले में पहले भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होकर मामला खारिज हो चुकें है। बार-बार यह मामला घूम-फिर के निचली अदालतों से हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाता है। राहुल गांधी और न्याय पालिका दोनों ही एक दूसरे के लिए चुनौती बने हुए हैं। उनके कौन से पुण्य कर्म और पाप कर्म हैं, यह तो वही जाने। चमत्कार तो यह है, जिस हाईकोर्ट के जज ने आदेश जारी किया। उसी जज ने आदेश निरस्त भी कर दिया। यह चमत्कार कम ही देखने को मिलता है।

24 साल में मोदी का आखिरी दांव?

2001 में नरेंद्र मोदी का भाग्य खुला था। वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने।मोदी भारत के पहले ऐसे भाग्यशाली व्यक्ति हैं। 24 साल मे वह जो चाहते थे, वही उनके भाग्य से हो रहा था।जिस तरह से महाबली रावण के पास राम रावण युद्ध के पहले नौ ग्रह केद थे। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस समय सारे संवैधानिक ग्रह उनके अधीन हैं। इसके बाद भी 24 साल में पहली बार परिसीमन बिल को लेकर, उन्हें संसद में हार का सामना करना पड़ा है। ज्योतिष के अनुसार उनके दो भाग्य टर्म 12-12 साल का पूरा हो चुका है। अब यह उनका आखिरी दांव है।देखें यह सफल होता है या नही। प्रधानमंत्री मोदी और महाबली रावण के भाग्य की तुलना होने लगी है। रावण के जब अच्छे दिन खत्म हो रहे थे,तब वह वनवासी राम के हाथों कुनबे के साथ मारे गए।यही सत्य है।

महिला आरक्षण बनाम सोनिया गांधी का सपना?

राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे। उन्होंने पंचायती राज मे महिलाओं को आरक्षण दिया। आज 15 लाख महिलाएं पंचायतों में सरपंच और अध्यक्ष बनकर काम कर रही हैं। 2023 में मोदी सरकार ने सभी राजनीतिक दलों की सहमति से 33 फ़ीसदी आरक्षण महिलाओं को देने का झुनझुना जरूर बजा दिया है। आरक्षण कब मिलेगा, इसको लेकर सरकार चुप है। भाजपा में महिलाओं को वैसे भी दोयम दर्जा प्राप्त है। मोदी सरकार ने परिसीमन और जनगणना की तलवार लटका रखी है। जब तक यह तलवार लटकी रहेगी। तब तक महिलाओं का समर्थन भाजपा को मिलता रहेगा? आरक्षण मिल जाएगा, तो समर्थन मिलेगा या नहीं, कुछ कहा नहीं जा सकता है। वैसे भी महिला आरक्षण का श्रेय सोनिया गांधी लेना चाहती हैं। मोदी जी के रहते यह संभव नहीं है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त, पश्चिमे तिथि, अष्टमी, शुक्रवार, पुण्य नक्षत्रे, घृण/शूल योगे, विवकरणे, कर्क की चंद्रमा, उत्पात योगे, भद्रा 16/19 मूल प्रारंभ रात्रि 11/58 से तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, बुद्धिमान, दार्शनिक, कम्प्यूटर इंजीनियर, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, ज्ञानी, उत्तम वृत्ति वाला, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, अकाउंटेंट, कैशियर, कर्मचारी होगा।

मेष राशि :- यात्रा वृत्ति से लाभ, कुसंग से हानि, गृह कलह तथा मानसिक अशांति अवश्य ही बनेगी।

वृष राशि :- आर्थिक व्यय, स्वजन कष्ट, विवाद, अस्थिर व अशांति का वातावरण बना ही रहेगा।

मिथुन राशि :- शुभ कार्य, भूमि से हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की संभावना बनी रहेगी।

कर्क राशि :- धन हानि, रोगभय, नौकरी में चिन्ता, राजकार्य, गृहकार्य में व्यवस्था बनी रहेगी।

सिंह राशि :- कार्य में निराशा, खेती से लाभ तथा शत्रु-भय, उद्योग-व्य वसाय से लाभ होगा।

कन्या राशि :- शरीर कष्ट, राजलाभ, व्यय-भार बढ़ेगा, दाम्पत्य जीवन असमंजसपूर्ण रहेगा, ध्यान रखें।

तुला राशि :- चोटाग्नि भय, धार्मिक कार्य कष्ट, व्यापार में उलझन की स्थिति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि :- बाधा, आरोप, धन लाभ, यात्रा-कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति बनेगी।

धनु राशि :- रोग-भय, मुकदमे में जीत, मानसिक परेशानी, अपवाद तथा व्यर्थ उलझन बढ़ेंगी।

मकर राशि :- व्यापार में लाभ, शत्रु-भय, धन सुख, कार्यों में सफलता का योग, रुके कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- कलह, व्यर्थ खर्च, सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक कार्यों में सफलता तथा रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- स्वजन सुख, पुत्र चिन्ता, धन-हानि, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी बन सकती है।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

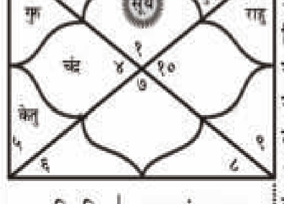

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.45 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.44 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.57 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.25 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.36 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.50 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.12 बजे से
		कुंभ	01.58 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मीन	03.31 बजे से
		मेष	05.01 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 114 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 19.22 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 20.15 बजे को समाप्त। **योग** शूल 01.25 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 19.22 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 48' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872689 **जूलियन दिन** 2461154.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, बगलामुखी जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कलेक्टर वर्मा की सख्ती: स्कूल बसों की सुरक्षा में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

इंदौर ■ निसं

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन और शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेजों के संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सचेत किया कि सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की कोताही को स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के विषय पर किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच अनिवार्य है। हर बस में अग्निशमन यंत्र का होना आवश्यक है। केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्कूलों को समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करनी होगी ताकि आपात स्थिति में स्टाफ और विद्यार्थी बचाव के तरीकों से अवगत रहें। बसों में स्पीड गवर्नर लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि गति नियंत्रित रहे। साथ ही, बच्चों को ड्राइवर के केबिन में बैठाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और क्षमता से अधिक विद्यार्थी नहीं बैठाए जाएंगे। स्कूल संचालकों को ड्राइवरों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और लाइसेंस की जानकारी संकुल स्तर पर जमा करानी होगी।

मध्यान्ह भोजन सुरक्षा और पीएनजी के उपयोग पर जोर

स्कूलों में संचालित रसोई और मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग किया जाए। इसके साथ ही, भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि छात्रों को सुरक्षित और पौष्टिक आहार मिल सके।

यूनिफॉर्म और किताबों की मोनोपॉली पर रोक

अभिभावकों के हितों का ध्यान रखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्कूल यूनिफॉर्म और किताबों की बिक्री में किसी भी प्रकार की मोनोपॉली या एकाधिकार व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। ये सामग्रियां बाजार में सुगमता से उपलब्ध होनी चाहिए ताकि अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या स्थान से खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

कॉलेजों में नशा मुक्ति के लिए बनेगी समितियां

उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए। ये समितियां परिसरों में निरंतर निगरानी रखेंगी और नशे की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों या तत्वों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

बसों के संचालन के लिए विस्तृत निर्देश दिए

प्रशासन द्वारा बसों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्कूल बसों का रंग पीला होना और उन पर "स्कूल बस" लिखा होना अनिवार्य है। अनुबंधित बसों पर "ऑन स्कूल ड्यूटी" का बोर्ड होना चाहिए। बसों में फर्स्ट-एड बॉक्स, हॉरिजेंटल ग्रिल, जीपीएस और चालू हालत में सीसीटीवी कैमरे होना आवश्यक है। खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म प्रतिबंधित रहेगी। बस चालकों के पास कम से कम 5 वर्ष का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। छात्राओं के परिवहन के समय महिला अटेंडेंट या परिचालक की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसके अलावा, वर्षा ऋतु में जलभराव वाले पुलों से वाहन निकालने पर रोक और समय-समय पर चालकों की काउंसलिंग के निर्देश भी दिए गए हैं।

पक्षियों हेतु दाना-पानी अभियान

कनिष्का कुमावत, साईं कृपा इंदौर

भीषण गर्मी का कहर

प्यास से बेहाल वन्यजीव, इंदौर में बंदरों-नीलगाय का रेस्क्यू तेज

इंदौर ■ निसं

दिनोंदिन बढ़ते तापमान के चलते प्रचंड गर्मी के मौसम में प्यास और पानी की कमी बंदर सहित अन्य वन्यजीवों पर आफत बनकर टूट रही है। वन विभाग के अनुसार पानी की तलाश में बंदर जंगलों से गांव-शहर की बस्तियों तक जा पहुंचे हैं। पानी नहीं मिलने पर पेड़ की शाखाओं से प्यास के चलते चक्कर खाकर गिर रहे हैं।

कल शाम को वन विभाग ने अरबिंदो अस्पताल के पीछे पालिया गांव वालों की सूचना पर मौके पर पेड़ से नीचे गिरकर घायल हुए एक बंदर का रेस्क्यू कर कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय, मतलब चिड़ियाघर पहुंचाया। वन विभाग की रेस्क्यू टीम में शामिल तोताराम चौहान, अमन मालवीय और अमित तोमर ने 3 बंदरों के रेस्क्यू के बारे में बताया कि इसके पहले वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने देपालपुर के पास 2 बंदरों का भी रेस्क्यू किया, मगर इनमें से एक बंदर की पेड़ के ऊपर से नीचे गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई थी, मगर दूसरे बंदर का चिड़ियाघर में इलाज कराया गया।

कुल 3 में से 2 बंदर स्वस्थ हैं। फॉरेस्ट रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि गर्मी के चलते पानी की तलाश में बंदर ही नहीं नीलगाय सहित अन्य वन्यजीव भी जंगल छोड़कर इधर-उधर भटकते फिर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सियासी बवाल

नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी पर भाजपा का तीखा हमला

इंदौर ■ निसं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड़गे और कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती विश्व के लोकप्रिय नेतागणों में होती हैं। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड़गे भी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं।

भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड़गे पहले भी उनके खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जश्न मना रही है। कांग्रेस को अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री यादव हुए शिविर में शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

कार्तिक का बड़ा मिशन

कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किमी दौड़

इंदौर ■ निसं

इंदौर के अल्ट्रा रनर कार्तिक जोशी एक और रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वे कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किलोमीटर की यात्रा दौड़कर पूरी करेंगे। कार्तिक 50 दिनों तक हर दिन 84 किलोमीटर दौड़कर अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे। 28 अप्रैल से वे अपनी दौड़ शुरू करेंगे। इसके लिए कार्तिक इंदौर से कारगिल के लिए रवाना हो चुके हैं।

वे 50 दिनों तक रोज करीब 84 किलोमीटर दौड़ते हुए कुल 4200 किलोमीटर की दूरी तय कर कारगिल से कन्याकुमारी तक जून माह के अंत तक पहुँचेंगे। यह कारनामा करने वाले वे सबसे कम उम्र के भारतीय धावकों में से एक होंगे। कार्तिक को इस दौड़ को पूरा करने के लिए अलग-अलग मौसमों का भी सामना करना होगा। कारगिल के बर्फीले इलाकों से दौड़ शुरू करेंगे, लेकिन कन्याकुमारी तक आते-आते उन्हें कई गर्म इलाकों से भी गुजरना होगा। पहाड़ी रास्तों, मैदानी सड़कों और समुद्री इलाकों के बीच से दौड़कर कार्तिक अपनी यात्रा पूरी करेंगे।

भोजशाला धार विवादः हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

98 दिन के सर्वे की वीडियोग्राफी सभी पक्षों को देने के निर्देश

इंदौर ■ निसं

धार भोजशाला मामले में अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को मुस्लिम पक्ष सहित अन्य पक्षकारों को सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने 27 अप्रैल तक सभी पक्षों को वीडियो क्लिप्स उपलब्ध कराने को कहा है। एएसआई की तरफ से यह भी कहा गया कि इतने फुटेज उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि सर्वे 98 दिनों तक चला है और हर दिन की वीडियोग्राफी की गई है। कोर्ट ने कहा कि तकनीकी माध्यमों के जरिए इसे उपलब्ध कराया जाए।

धार स्थित भोजशाला मामले में नियमित सुनवाई चल रही है। दो पक्षकारों ने अपने तर्क प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा एएसआई को भी पक्ष रखने का मौका दिया गया। अब मुस्लिम पक्ष ने अपने तर्क रखे हैं और फिर वीडियोग्राफी की पुरानी मांग दोहराई है।

हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को आदेश दिया है कि भोजशाला में किए गए सर्वे की पूरी वीडियोग्राफी सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। कोर्ट ने कहा है कि 27 अप्रैल तक हर हाल में वीडियो क्लिप्स संबंधित पक्षों को दी जाएं, ताकि वे इन वीडियो के आधार पर अपने तर्क पेश कर सकें।

जब भोजशाला मामले में सुनवाई हुई थी, तब मुस्लिम पक्ष की तरफ से सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने की मांग की गई थी। इसके अलावा इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट की शरण भी ली गई थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

अब सुनवाई के दौरान फिर मुस्लिम पक्ष ने यह मांग दोहराई, तो कोर्ट ने सभी पक्षकारों को वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस आदेश के बाद आने वाली सुनवाई में वीडियो फुटेज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि इसी आधार पर दोनों पक्ष अपने दावे और तर्क मजबूत करेंगे।आपको बता दें कि 98 दिनों तक एएसआई ने भोजशाला में अलग-अलग तकनीकों से सर्वे किया है और 2000 पेज से अधिक की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेष और उन पर अंकित चित्रों के फोटो भी शामिल किए गए हैं।

परदेशीपुरा में दर्दनाक घटना

युवती का सुसाइड, आखिरी मैसेज 'खुश रहना' ने छोड़े कई सवाल

इंदौर ■ निसं

इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक 21 साल की एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, बताया जा रहा है कि आत्महत्या से ठीक पहले युवती ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर उसने एक आखिरी मैसेज 'खुश रहना' भेजा और फिर ये कदम उठा लिया।

दरअसल यह पूरा मामला इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के जनता क्वार्टर का है, जहां रहने वाली 21 वर्षीय नम्रता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, आत्महत्या से पहले नम्रता ने अपने एक युवक दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन जब कॉल रिसीव नहीं हुआ तो उसने उसे 'खुश रहना' लिखकर मैसेज किया, जिसके कुछ ही देर बाद उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भागीरथपुरा पेयजल कांडः हाईकोर्ट सख्त, जांच आयोग को 14 जून तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

इंदौर ■ निसं

इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा पेयजल दूषित कांड को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट के समक्ष जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण 35 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मृतकों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगी हैं। कोर्ट ने इस मामले में जांच आयोग गठित किया है। पिछली सुनवाइयों में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जवाब पेश हुआ था। उसमें 18 मौतें दूषित पेयजल के कारण स्वीकारी गई थीं। इसके अलावा एक जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें उन्होंने पेयजल लाइन में दूषित पानी मिलने व अन्य कारण बताए थे, लेकिन अभी तक इस मामले में गठित आयोग की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। आयोग भागीरथपुरा के प्रभावित परिवारों से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह चुका है।

लेंसकार्ट ड्रेस कोड विवादः वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का इंदौर में प्रदर्शन, बहिष्कार का ऐलान

इंदौर ■ निसं

लेंसकार्ट की ड्रेस कोड नीति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश ने इंदौर में कंपनी के शोरूम के बाहर प्रदर्शन करते हुए पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया। स्कीम-54 स्थित लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने महिला कर्मचारियों को तिलक लगाया और कहा कि वे बिना किसी डर के अपने धार्मिक प्रतीकों के साथ काम करें। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने लेंसकार्ट के चश्मों का बहिष्कार करते हुए उन्हें तोड़कर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सिद्धेश्वर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी अतुल आनंद महाराज भी मौजूद रहे और उन्होंने कंपनी की नीतियों का विरोध किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कंपनी की आंतरिक नीति में कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों के उपयोग पर रोक लगाई गई है, जबकि हिजाब को अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए कड़ा विरोध जताया।

दुकानों से लेकर फ्लैट तक मची अफरा-तफरी

शहर में आग का कहर : एक ही रात में 8 जगह आगजनी

इंदौर ■ निसं

शहर में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे आग लगने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। कल रात से आज सुबह तक आठ जगह आग लगने की घटनाएं हुईं। स्कीम 78 में पूजन सामग्री की दुकान एवं बाणगंगा में सुबह बैटरी की दुकान में आग लगी। मिली जानकारी के अनुसार कल रात 2 बजे के करीब स्कीम 78 पानी टंकी के पास स्थित शिवानी पिता सुरेंद्र पाठक की सांईनाथ फूल भंडार नामक पूजन सामग्री की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि दुकान के पास ही विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ था। आग की चिंगारी दुकान पर गिरी, जिसने आग पकड़ ली। इस घटना में दुकान जलकर खाक हो गई।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब 4.30 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पाया। क्षेत्रीय रहवासियों ने भी आग बुझाने में मदद की। इसी प्रकार देर रात नेहरू नगर स्थित अमृतधाम गेट के पास एक फ्लैट में आग लगने की सूचना पर दमकलकर्मी पहुंचे। हालांकि आग नीचे कचरे के ढेर में लगी थी, लेकिन धुआं फ्लैट तक पहुंच गया था। घटना के वक्त फ्लैट में एक महिला और उसका बच्चा सो रहे थे। शोर-शराबे की आवाज सुनकर वे जाग गए थे और सुरक्षित नीचे आ गए थे। कुछ देर के लिए यहां अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

धमाके के साथ फटी बैटरियां

आज सुबह 4 बजे बाणगंगा क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में एक बैटरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखी कुछ बैटरियां धमाके से फट गईं। इस घटना में बैटरी के अलावा लैपटॉप, चार्जर, मशीन जली है। रंजन पिता रमाशंकर की यह दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फायरकर्मियों ने मौके पर जाकर 15000 लीटर पानी तथा 5 लीटर फोम का उपयोग कर आग पर नियंत्रण पाया। बंगाली चौराहे पर रात 3 बजे एक दुकान में आग लगने की घटना हुई। मौके पर कोई नहीं मिला, जिससे आकलन नहीं हो पाया कि दुकान किसकी है। सुबह-सुबह 60 फीट रोड पल्हर नगर में एक पंक्चर पकाने की दुकान में आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सामान व पुराने टायर जल गए।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग कनेक्शन की जांच तेज

इंदौर फिरौती कांड में आरोपी राजपाल प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया, बड़े खुलासे के संकेत

इंदौर ■ निसं

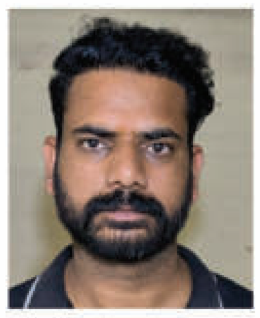

इंदौर में हाल ही में सामने आए करोड़ों की फिरौती के मामलों में अब बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है। क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर के एक साथी राजपाल को खरगोन से प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाया है, जिसमें पुलिस को शक है कि इन हाई-प्रोफाइल फिरौती मामलों के तार गैंग से जुड़े हो सकते हैं।

दरअसल, इंदौर में पिछले दिनों दो अलग-अलग मामलों में करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई थी, जिसमें दो पार्टनरों से 10 करोड़ और एक उद्योगपति से 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी, खास बात यह रही कि ये फिरौती कॉल वीपीएन नंबर के जरिए किए गए थे, जिससे आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया था, पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि इसी तरह का घटनाक्रम खरगोन में भी सामने आया था, जिसमें एक जैसा होने के चलते क्राइम ब्रांच को शक गहरा गया, इसी कड़ी को जोड़ने और पूरे नेटवर्क तक पहुंचने के लिए राजपाल को इंदौर लाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

फीफा वर्ल्ड कप में राजनीति ईरान की जगह इटली को खिलाने की मांग

न्यूयार्क । फीफा विश्व कप 2026 से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूत ने सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। इस प्रस्ताव ने फुटबाल के सबसे बड़े मंच पर राजनीति की एंट्री को लेकर बहस तेज कर दी है। दूत ने खुद किया प्रस्ताव का खुलासा ट्रंप के विशेष दूत पाओलो जाम्पोली ने इस सुझाव की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव उन्होंने जियानी इन्फैन्टिनो के सामने रखा। उन्होंने कहा, मैं पुष्टि करता हूं कि मैंने ट्रंप और (फीफा अध्यक्ष गियानी) इन्फैन्टिनो से सुझाव दिया कि वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में अज़्ज़ूरी को देखना मेरा सपना है। चार खिताब के साथ उनके पास शामिल होने का मजबूत आधार है। इटली की गैरमौजूदगी भी बनी चर्चा चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली इस बार क्वालिफाई नहीं कर पाई, जो फुटबाल जगत के लिए बड़ा झटका रहा। लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर रहना इटली जैसी बड़ी टीम के लिए चौंकाने वाला है। इसी वजह से यह प्रस्ताव और भी ज्यादा चर्चा में आ गया है। क्या ईरान खेलेगा वर्ल्ड कप फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा बना हुआ है। टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है और उसके ग्रुप मैच अमेरिका में होने तय हैं। हालांकि, पहले ईरान ने यात्रा और राजनीतिक तनाव को देखते हुए अपने मैच दूसरे देश में कराने की मांग की थी, लेकिन फीफा ने अब तक शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है। क्या नियमों के तहत संभव है बदलाव फीफा के नियमों के मुताबिक, अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होती।

वोल्वाड्ट के शतक से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

जोहानसबर्ग। कप्तान लौरा वोल्वाड्ट के शानदार शतक 115 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम 3-0 से सीरीज में आगे हो गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतकों से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। मेजबान गेंदबाज नाकुललुको मलाबा ने 2 विकेट जबकि दिन डी क्लार्क ने एक विकेट लिया।

आल इंडिया जूनियर टेनिस

अद्वीथ, रेयांश, दीविना व लावण्या अंतिम चार में, मेजबान खिलाड़ियों का दबदबा

इंदौर ■ एजेंसी

क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाए तेवर, महाराष्ट्र और गुजरात की चुनौती भी बरकरार

मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब पर आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को मेजबान मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर बालक वर्ग में अद्वीथ भार्गव, रेयांश पटेल और बालिका वर्ग में दीविना धूपर व लावण्या शर्मा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अंडर-12 बालक एकल क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के अद्वीथ भार्गव ने गुजरात के सान्या अग्रिया को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में रेयांश पटेल ने अपनी लय बरकरार रखते हुए हमवतन समन्यु शुक्ला को 6-3, 6-0 से बाहर का रास्ता दिखाया।

ओजस मिश्रा ने भी अर्जुन बिंद्रा को 6-1, 6-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। हालांकि, अक्षज कुमार को महाराष्ट्र के विहान देवधर से कड़े संघर्ष के बाद 4-6, 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। अंडर-12 बालिका एकल में दीविना धूपर ने इरा सिंह के खिलाफ पहले सेट में कड़े प्रतिरोध के बाद 7-5, 6-0 से जीत दर्ज की। लावण्या शर्मा ने एकतरफा मुकाबले में सायेशा दशोरा को 6-0, 6-2 से पराजित किया। प्रिशा शर्मा ने एडीवा धाकड़ को 6-3, 6-0 से हराया, जबकि गुजरात की अरना खत्री ने अयाना पटवारी को 6-1, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। अंडर-12 बालक युगल वर्ग में अयांश संवत्सर और अर्जुन बिंद्रा की जोड़ी ने सान्या व सवीर अग्रिया को 3-6, 6-2, 11-9 के कड़े अंतर से हराकर उलटफेर किया। विहान देवधर और कियान बंसल की जोड़ी ने मानवीर सिंह व समन्यु शुक्ला को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। बालिका युगल में दीविना धूपर और साम्भवी सिंह की जोड़ी ने अनाया व वेदांशी को 6-0, 6-0 से हराकर अपना दबदबा साबित किया। आदिवा धाकड़ और रीत सोनी की जोड़ी ने भी लावण्या व जीविका को टाइब्रेकर में 6-3, 1-6, 10-5 से शिकस्त दी।

क्रिकेट स्टेडियमों में भूजल उपयोग पर एनजीटी सख्त, भेजा नोटिस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (प्रधान पीठ) ने राजधानी के क्रिकेट स्टेडियमों में भूजल उपयोग एवं आदेश अनुपालन न करने पर नोटिस जारी करते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एनजीटी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, की अध्यक्षता में डॉ. ए. सेंथिल वेल एवं डॉ. अफरोज अहमद, विशेषज्ञ सदस्य की खंडपीठ ने आज क्रिकेट स्टेडियमों मे भूजल का उपयोग करने के मामले में की सुनवाई की।

पीठ ने वर्ष 2021 में पारित अपने पूर्व आदेश के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि क्रिकेट मैदानों में भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकना एवं एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के उपचारित जल तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली के उपयोग को सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार देश के कई स्टेडियमों ने न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं किया है जिसमें शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, रायपुर अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर डॉ. डी. वाई. पाटिल स्टेडियम, मुंबई भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद बाराबती स्टेडियम, कटक हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम शामिल है। इन सभी के अधिवक्ता ने तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आश्वासन दिया है।

एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट : शहडोल बना चैंपियन, फाइनल में रीवा को दी करारी मात

सत्यार्थ और कार्तिक के शतकीय प्रहार से शहडोल ने 135 रनों से जीता खिताबी मुकाबला

ग्वालियर/इंदौर ■ एजेंसी

सत्यार्थ कबीर शुक्ला (136) और कार्तिक परिहार (117) के बल्लों से निकले रनों के सैलाब ने शहडोल को एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट का नया सुल्तान बना दिया है। खिताबी मुकाबले में शहडोल के 330 रनों के विशाल लक्ष्य के सामने रीवा की टीम दबाव में ऐसी बिखरी कि पूरी पारी महज 195 रनों पर सिमट गई। 135 रनों की इस प्रचंड जीत के साथ ही शहडोल ने ग्वालियर की धरती पर ऐतिहासिक विजय गाथा लिख दी।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शहडोल की शुरुआत आक्रामक रही। सत्यार्थ कबीर शुक्ला ने कप्तानी धैर्य का परिचय देते हुए 147 गेंदों पर 136 रनों की दर्शनीय पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनका बखूबी साथ कार्तिक परिहार ने निभाया, जिन्होंने मात्र 103 गेंदों पर 117 रन ठोककर मैदान के चारों ओर रनों की वर्षा की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह शहडोल की ओर मोड़ दिया। शहडोल ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 330 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रीवा की ओर से रवि तिवारी ने 3 और आयुष शुक्ला ने 2 विकेट लिए, लेकिन वे रनों की गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे।

331 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज अनंत वर्मा के 51 रनों के अर्धशतक और हर्षित दुबे के 38 रनों के संघर्ष के बावजूद टीम का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। पूरी टीम 35.3 ओवरों में मात्र 195 रनों पर सिमट गई। शहडोल की ओर से गेंदबाजी में अक्षत द्विवेदी और कबीर कृष्णा ने दो-दो विकेट लेकर रीवा की जीत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

चीनी निर्यातकों को मिलेगा राडटेप का लाभः बाम्बे हाई कोर्ट, कोर्ट ने जताई चिंता

मुंबई। बाम्बे उच्च न्यायालय ने निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि जिन चीनी निर्यातकों को सरकार की विशेष अनुमति और आवंटित कोटे के तहत चीनी निर्यात करने की इजाजत मिली थी, वे प्रतिबंधित श्रेणी में होने के बावजूद निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी (रोडटेप) योजना का लाभ प्राप्त करते रहेंगे। यह फैसला विनियमित जिंसों के निर्यातकों के लिए एक नजीर बन सकता है। न्यायालय ने 20 अप्रैल को एक संयुक्त फैसले में रिका ग्लोबल इम्पैक्स, श्री रेणुका शुगर्स सहित प्रमुख चीनी निर्यातकों द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। अदालत ने राजस्व विभाग द्वारा रोडटेप लाभों से इनकार को मनमाना करार दिया। रोडटेप एक सरकारी योजना है जो निर्यात की गई वस्तुओं पर लगे अप्रत्यक्ष शुल्कों और करों को वापस करती है, जिससे भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। दरअसल, सरकार ने मई 2022 में चीनी के निर्यात को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया था, ताकि देश में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और कीमतें स्थिर रहें। हालांकि, उसी अधिसूचना में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग से विशेष अनुमति के साथ निर्यात की अनुमति भी दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इन्हीं अनुमतियों के तहत निर्यात किया था, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने यह कहते हुए लाभ देने से मना कर दिया कि चीनी एक प्रतिबंधित वस्तु है। अदालत ने केंद्र सरकार की विभिन्न उच्च न्यायालयों में अपनाई जा रही असंगत मुकदमेबाजी की रणनीति पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। इसने न्यायिक अराजकता जैसी स्थिति से बचने के लिए केंद्रीय व्यापार एवं कर कानूनों में एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु एक स्पष्ट राष्ट्रीय मुकदमा नीति की आवश्यकता पर बल दिया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उछाल, ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के ऊपर पहुंचा

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आाने से कच्चे तेल की सप्लाई ठप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज लगातार चौथे दिन क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड आज 105.86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज सौ डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार पहुंच गया। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई।

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप पड़ी हुई है और निकट भविष्य में इसके शुरू होने की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है।

आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 100 डॉलर के ऊपर 101.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 105.86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 103.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड में आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 92.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 97.22 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार 9:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.13 प्रतिशत की उछाल के साथ 94.97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आपको बता दें कि फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में शुरू हुई इस जंग ने दुनिया के पेट्रोलियम बेस्ड एनर्जी मार्केट को हिला कर रख दिया है। इस जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद हो जाने से फारस की खाड़ी से होने वाली ऑयल और गैस की सप्लाई में जबरदस्त गिरावट आई है। अमेरीका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए यहां नाकेबंदी कर रखी है। दूसरी ओर, ईरान अपनी ओर से होर्मुज को इंटरनेशनल ट्रैफिक के लिए बंद रखने की कोशिश में जुटा हुआ है। इसी कोशिश में बुधवार को ईरानी गनबोट्स ने ओमान के पास मालवाहक जहाजों पर फायरिंग भी की।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तत्काल शांति वार्ता होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान जरूर किया है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी जारी रखने की बात कह कर तनाव को और बढ़ा दिया है। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अमेरिका को सख्त जवाब देने की बात कह रहा है।

ओमान के पास मालवाहक जहाजों पर फायरिंग कर उसने ये भी जता दिया है कि वो अमेरिकी धमकी के आगे झुकने वाला नहीं है। ऐसे में इन दोनों देशों के हठी रवैये से लगने लगा है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से मालवाहक जहाजों और ऑयल टैंकर्स का आना-जाना तत्काल संभव नहीं हो सकेगा। ऐसी स्थिति में दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई में परेशानी जारी रहेगी, जिसका परिणाम कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में देखा जा सकता है।

आनलाइन गेमिंग कंपनियों पर कड़े नियम 1 मई से लागू होंगे

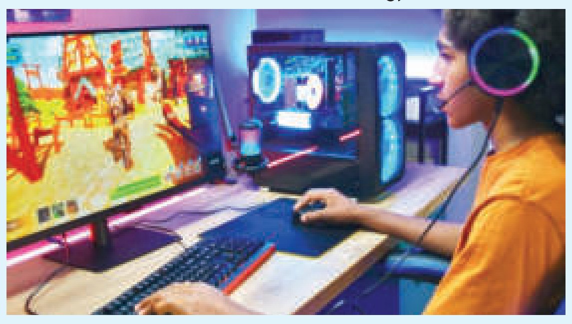

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आनलाइन गेमिंग क्षेत्र को विनियमित करने और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने और विनियमित करने का अधिनियम, 2025 के तहत नए प्रशासनिक नियमों को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम 1 मई से पूरे भारत में प्रभावी हो जाएंगे। इसके तहत अब सभी गेमिंग कंपनियों को अपने उपयोगकर्ताओं को वित्तीय, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सुरक्षा-संबंधी या सामग्री-संबंधी किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू करना अनिवार्य होगा। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी इन व्यापक नियमों का उद्देश्य जिम्मेदार आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना, खिलाड़ियों के लिए निश्चित विकल्प देना और आनलाइन गेमिंग की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए प्रक्रियाओं, संचालन, व्यवहार और प्रणाली संबंधी सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया गया है। इन नियमों के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए भारत में एक छह सदस्यीय आनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का भी गठन किया गया है। इस प्राधिकरण की अध्यक्षता आईटी मंत्रालय के एक अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी करेंगे। गृह मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय और विधि विभाग के संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारी इसमें पदेन सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। नए नियमों के अनुसार, सभी प्रकार के ई-स्पोर्ट्स को अनिवार्य रूप से प्राधिकरण के साथ पंजीकृत कराना होगा। हालांकि, किन अन्य खेलों या गेमिंग कंपनियों को प्राधिकरण के साथ पंजीकरण करने की आवश्यकता होगी, इसका निर्धारण अभी किया जाना बाकी है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी बुधवार के भाव 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42, 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रियल एस्टेट में रिकार्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डालर निवेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकार्ड 5.1 अरब डालर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डालर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है।

रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डालर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अधिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण आफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने 24 घंटे में ही संसद अधिवेशन बुलाने के फैसले को स्थगित किया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने संसद अधिवेशन बुलाने की सिफारिश को 24 घंटे के भीतर ही वापस ले लिया है। बुधवार को ही राष्ट्रपति भवन से एक सूचना जारी कर 30 अप्रैल से संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आहूत करने का आह्वान किया गया था। लेकिन आज सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से संसद अधिवेशन को फिलहाल नहीं बुलाये जाने की सूचना दी गई है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में संसद की बैठक को स्थगित करने की सिफारिश करने का फैसला किया गया। सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से एक और सूचना जारी कर 30 अप्रैल से बुलाई गई संसद के अधिवेशन को स्थगित करने की जानकारी दी गई। संसद स्थगित करने के लिए विशेष कारण बताया गया है। राष्ट्रपति भवन से जारी सूचना में कहा गया है कि मंत्रिपरिषद की सिफारिश के बाद बुलाई गई संसद अधिवेशन को विशेष कारण वश मंत्रिपरिषद की दुबारा सिफारिश के बाद स्थगित किया जाता है।

इजराइल और लेबनान के बीच सीधी वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत का दूसरा दौर आज यहां विदेश विभाग में शुरू होगा। दोनों देशों के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम लागू है। इस अवधि 26 अप्रैल को खत्म होनी है। पहले दौर की वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 अप्रैल को इस संघर्ष विराम की घोषणा की थी। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक आतंकी समूह हिजबुल्लाह इस वार्ता का शुरू से विरोध कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली और लेबनानी प्रतिनिधि गुरुवार को वाशिंगटन में कूटनीतिक वार्ता के दूसरे दौर के लिए मिलने वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम की चाबी ट्रंप के पास है। इजराइल अपनी आत्मरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले कर रहा है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. फवाज़ गर्गेस ने कहा, 'सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप ही अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू पर सचमुच दबाव डाल सकते हैं। इजराइल उनके अलावा किसी का दबाव स्वीकार नहीं करेगा।' उन्होंने कहा ट्रंप ने ही सोशल ट्रुथ पर संघर्ष विराम का एलान किया था। प्रो. गर्गेस ने कहा कि पहले दौर में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता इजराइल को 'आत्मरक्षा में सभी जरूरी कदम उठाने के अपने अधिकार को बनाए रखने' की इजाजत देता है। इस समझौते में कहा गया कि लेबनान सरकार को हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकना होगा।

अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका नौसेना के बड़े अधिकारी को ट्रंप प्रशासन से विदा कर दिया गया है। पेंटागन ने बुधवार को नौसेना सचिव जॉन फेलन की बर्खास्तगी की आधिकारिक घोषणा की। घोषणा में कहा गया, ''नौसेना सचिव जॉन फेलन 'तत्काल प्रभाव से' ट्रंप प्रशासन छोड़ देंगे।'' ईरान के साथ जारी टकराव के बीच फेलन को इस तरह हटाए जाने से वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सकते में हैं। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जॉन फेलन का जाना 'तुरंत प्रभावी' होगा। नौसेना के अवर सचिव हंग काओ को कार्यवाहक सचिव नियुक्त किया गया है। पार्नेल ने लिखा, 'युद्ध सचिव और उप युद्ध सचिव की ओर से हम विभाग और संयुक्त राज्य की नौसेना के प्रति उनकी सेवा के लिए सचिव फेलन के आभारी हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' फेलन हाल के महीनों में ट्रंप प्रशासन से विदा होने वाले उच्च-रैंकिंग वाले सैन्य नेता हैं। नौसेना ने उन्हें हटाए जाने का कोई कारण नहीं बताया है। कुछ हफ्ते पहले इसी तरह सेना के चीफ ऑफ स्टाफ़ रैंडी जॉर्ज को भी हटाया जा चुका है।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, एक बच्चे की मौत, 21 घायल

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र स्वर्गद्वारी में भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार 21 भारतीय तीर्थ यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार भिंग्री से स्वर्गद्वारी मंदिर की ओर जा रही (लु 1 ज 3175) नंबर की मुस्तांग जीप अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 बच्चे शामिल हैं। घायलों में से 10 लोगों को बेहतर इलाज के लिए बुटवल के अस्पताल में रेफर किया गया है।मृत बच्चे की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। बताया गया है कि जीप सड़क से करीब 25 से 30 मीटर नीचे गिर गई थी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए भिंग्री प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

भारत-ब्रिटेन वार्षिक रणनीतिक संवाद में रक्षा एवं रणनीतिक सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच 'वार्षिक रणनीतिक संवाद' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन पॉवेल की मेजबानी की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि यहां गुरुवार को हुई इस बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझीदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

तमिलनाडु में मतदाताओं का स्वागत करने वाले 'रोबोट' ने खींचा लोगों का ध्यान

वेल्लोर ■ एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्रों पर पहुंच कर अपनी बारी का इंतजार करते देखे जा रहे हैं।

इसी क्रम में, वेल्लोर ज़िले के गुडियात्तम में बनाए गए एक मतदान केंद्र ने खास ध्यान आकर्षित किया है। यहां मतदाताओं के स्वागत के लिए दावणी (पारंपरिक पोशाक) पहने एक 'महिला रोबोट' को लगाया गया है, जो हाथ में गुलाब के फूल लेकर तमिल भाषा में मधुर स्वर में मतदाताओं का स्वागत कर रही है। इस 'पिंक बूथ' (महिला कर्मियों द्वारा संचालित मतदान केंद्र) में की गई इस अनोखी पहल को देखने के लिए लोग

उत्साहित नजर आए। कई लोगों ने रोबोट के साथ तस्वीरें खिंचवाई।

इसी तरह वेल्लोर के एक स्कूल में बने मतदान केंद्र पर भी मतदाताओं के स्वागत के लिए रोबोट की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा, कोयंबटूर में भी चुनाव आयोग ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए विशेष पहल की है। कोयंबटूर के गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में बनाए गए एक मॉडल मतदान केंद्र पर 'टीना' (ञ्ञ्ञ्) नाम की एक रोबोट को तैनात किया गया है। यह रोबोट मतदाताओं को चॉकलेट और फूल देकर स्वागत करती है और स्पीकर के माध्यम से मतदान के लिए लाए जाने वाले जरूरी दस्तावेज, मतदान केंद्र पर उपलब्ध नागरिक सुविधाओं और मतदान के महत्व के बारे में जानकारी देती है। चुनाव आयोग की इस पहल को लोगों के बीच अच्छा प्रभाव देखने को मिला है और इससे मतदान के प्रति उत्साह और बढ़ा है। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के नवाचारों का उद्देश्य चुनाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला, कहा

ममता को टाटा-बाय बाय करो

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को हुगली जिले के बलागढ़ और पुरशुरा की चुनावी सभाओं से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। शाह ने दावा किया कि पांच मई के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी और तृणमूल शासन समाप्त हो जाएगा।

बलागढ़ की सभा में अमित शाह ने कहा, 'ममता को टाटा-बाय बाय करो, सिंडिकेटबाजों को उल्टा करके सीधा किया जाएगा।' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में तृणमूल शासन के दौरान भ्रष्टाचार, कटमनी और सिंडिकेट राज बढ़ा है।

उन्होंने चुनाव परिणाम को लेकर भी दावा किया कि पांच मई के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और 'दीदी धुलकर साफ हो जाएंगी।' शाह ने कहा कि जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है और पहले चरण के मतदान में इसका संकेत मिल चुका है।

पुरशुरा की सभा में अमित शाह ने कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में अपराधियों और गुंडों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शाह ने कहा, '5 मई के बाद शाम 7 बजे तो दूर, आधी रात को भी कोई युवती घर से बाहर निकलेगी तो किसी गुंडे की हिम्मत नहीं होगी उसकी ओर आंख उठाकर देखने की।'

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले का मुद्दा भी उठाया और कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला करने वालों

को 5 मई के बाद जेल भेजा जाएगा। शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल के संरक्षण में राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा दिया गया है।

सभा में केंद्रीय गृह मंत्री ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद अवैध घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर किया जाएगा और सीमा पार से घुसपैठ रोकी जाएगी।

कृषि मुद्दों पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि पुरशुरा और आसपास का क्षेत्र आलू उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन राज्य सरकार की नीतियों के कारण किसानों को उचित दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर आलू के भंडारण, बीज उत्पादन केंद्र और बाहरी राज्यों में बिक्री की बेहतर व्यवस्था की जाएगी, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी।

गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है। वहीं, वरिष्ठ नेता व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राज्य में चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है।

बंगाल चुनाव के बीच अमित शाह ने भाजपा की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार सुबह कोलकाता के सॉल्ट लेक स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय का दौरा किया। वह सुबह लगभग 10 बजे कार्यालय पहुंचे और दोपहर 2 :30 बजे तक वहां मौजूद रहकर संगठनात्मक तथा चुनाव संबंधी गतिविधियों की समीक्षा करते रहे। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह ने कार्यालय में विभिन्न विभागों का दौरा कर चुनाव प्रबंधन, बूथ स्तर की तैयारियों और संगठन की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और विभिन्न इकाइयों के सदस्यों के साथ बैठक कर उनके कार्यों की जानकारी ली। बताया गया कि शाह ने चुनाव के पहले चरण की मतदान प्रक्रिया पर भी सीधे नजर

रखी। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से मिल रही सूचनाओं, मतदान प्रतिशत, जमीनी हालात और मतदाता भागीदारी की समीक्षा की। पार्टी के वॉर रूम से जुड़े पदाधिकारियों के साथ संवाद कर उन्होंने आवश्यक रणनीतिक दिशा-निर्देश भी दिए। दौरे के दौरान अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और चुनावी दौर में अनुशासन, समन्वय तथा मतदाता संपर्क को सबसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक मजबूत संगठन और सक्रिय कार्यकर्ता ही चुनावी सफलता की कुंजी हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में निर्णायक जनादेश हासिल करने के लक्ष्य को लेकर पार्टी शीर्ष नेतृत्व लगातार चुनावी गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। अमित शाह का यह दौरा उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 16 जिलों के 152 सीटों पर मतदान हुआ। ऐसे समय में केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता को भाजपा के चुनाव अभियान के लिए अहम माना जा रहा है।

पहले चरण के मतदान में जमकर हुई हिंसा, निष्पक्ष मतदान पर उठे सवाल

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। कई संवेदनशील इलाकों में हिंसा, बूथों पर तनाव, ईवीएम में खराबी और सुरक्षा बलों के खिलाफ शिकायतों को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष मतदान पर सवाल उठाए हैं, जबकि सत्तारूढ़ दल ने आरोपों को राजनीतिक बताया है।

सबसे गंभीर घटनां दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज विधानसभा क्षेत्र का मामला शामिल रहा। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर मारपीट की।

बताया कि वह मतदान केंद्रों का दौरा कर रहे थे, तभी कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें भीड़ उन्हें घेरकर हमला करती दिखाई दे रही है। इस दौरान उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करता नजर आया। शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि उनके मतदान एजेंटों को कई बूथों से बाहर निकाला गया था और जब वह बूथ संख्या 24 पहुंचे, तभी उन पर हमला हुआ।

बीरभूम जिले के लाभपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पोलिंग एजेंट पर हमला किए जाने का आरोप लगा। विश्वजीत मंडल नामक कार्यकर्ता के सिर पर गंभीर चोट आई और उनका सिर फट गया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। वहीं जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र के खैराशोल इलाके में मतदान के अंतिम चरण में फिर तनाव भड़क गया। आरोप है कि मतदान मशीन में खराबी के कारण लगभग आधे घंटे तक मतदान रुका, जिसके बाद मतदाता आक्रोशित हो गए। केंद्रीय बलों और लोगों के बीच तीखी बहस हुई। हालात इतने बिगड़े कि सुरक्षा बलों पर पथराव की कोशिश हुई, एक पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की गई और कुछ जवान घायल हो गए। पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए कड़ा रुख अपनाना पड़ा। इसका एक वीडियो सामने आया है जिसमें पुलिस अधिकारी बंदूक निकाल कर उपद्रवियों की ओर तानते नजर आ रहे हैं।

अमेरिका-ईरान संघर्ष : ईंधन की भारी कमी से बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क बंद होने का खतरा

ढाका ■ एजेंसी

दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों में से होर्मुज पर अमेरिका और ईरान के बीच अब भी संघर्ष चल रहा है और हाल फिलहाल में कोई राहत भी मिलती नहीं दिख रही है। ऐसे में कई देशों में हालात बाद से बदतर होते जा रहे हैं। भारत के पड़ोस में बांग्लादेश में तो अब इंटरनेट ठप पड़ने के हालात बन पड़े हैं। ईंधन की भारी कमी के चलते बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क पर बड़े स्तर पर बंद होने के खतरा मंडरा रहा है।

बता दें करीब 17 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश के लिए हालात इसीलिए बिगड़ गए हैं क्योंकि वह अपनी तेल और गैस जरूरतों का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसमें से ज्यादातर तेल मिडिल ईस्ट से ही आता है। अब होर्मुज में शिपिंग रूट बाधित होने से बांग्लादेश में हाहाकार मच गया है। ढाका समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर 12-12 घंटे लंबी कतारें लग रही हैं। हालात को संभालने के लिए सरकार ने हाल ही में

डीजल की कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी भी की है। बिजली संकट के कारण गारमेंट उद्योग पहले ही प्रभावित हो चुका है, जहां उत्पादन में करीब 30 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। अब इसकी आंच इंटरनेट तक पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते सोमवार को बांग्लादेश के मोबाइल टेलीकाम आपरेटर्स के संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने तुरंत दखल नहीं दिया, तो मौजूदा हालात में सेवाओं को जारी रखना संभव नहीं रह जाएगा। बता दें टेलीकाम कंपनियां बिजली कटौती के दौरान अपने डेटा सेंटर और नेटवर्क टावर चलाने के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर रहती हैं, लेकिन अब रोजाना 5 से 8 घंटे की बिजली कटौती हो रही है, जिससे स्थिति बिगड़ गई है। एएमटीओबी के मुताबिक केवल डेटा सेंटर ही हर घंटे करीब 500 से 600 लीटर डीजल खपत करते हैं। संगठन के महासचिव मोहम्मद जुल्फिकार ने कहा कि डेटा सेंटर आपरेटर का दिमाग होता है। अगर यह बंद हो गया, तो पूरा नेटवर्क ठप हो जाएगा।

ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी ईरान की आर्थिक ताकत को कमजोर करने अपनाई गई

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव फिलहाल थमा गया है, लेकिन हालात अभी भी नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सीजफायर बढ़ाने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि ईरान पर सैन्य नाकेबंदी जारी रहेगी। ट्रंप के मुताबिक यह फैसला पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर के अनुरोध पर किया गया है। दोनों नेताओं ने अमेरिका से अपील की थी कि बातचीत को मौका देने के लिए हमले टाले जाएं।

इसी वजह से अमेरिका ने हमला रोककर सीजफायर बढ़ाया है, लेकिन सैन्य तैयारियां जारी रखी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने अपने सबसे बड़े दबाव वाले हथियार नाकेबंदी को बरकरार रखा है। खासतौर पर होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों के आसपास लागू यह

नाकेबंदी व्यापार और तेल सप्लाई पर असर डाल रही है। अमेरिकी ट्रेजरी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह रणनीति ईरान की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के लिए अपनाई गई है। यहां तक कहा गया है कि खर्ग आइलैंड पर तेल स्टोरेज कुछ ही दिनों में भर सकता है, जिससे ईरान के पास तेल स्टोर करने की जगह नहीं होगी और उसके तेल के कुएं बंद हो जाएंगे। इससे तेल कारोबार पर और दबाव बढ़ेगा। इस बीच, कूटनीतिक मोर्चे पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस्लामाबाद में प्रस्तावित अगली वार्ता अभी तक तय नहीं हो सकी है. ।ईरान ने अमेरिका के रुख को विरोधाभासी बताया है और साफ किया है कि वह जल्दबाजी में बातचीत के लिए तैयार नहीं है। ईरान की ओर से भी सख्त चेतावनी दी गई है। एक वरिष्ठ सलाहकार ने ट्रंप के सीजफायर विस्तार को बेकार बताया, जबकि ईरानी नेतृत्व ने कहा कि बातचीत के दौरान किसी भी हमले को वैश्विक स्तर पर खतरनाक उदाहरण माना जाएगा। उधर, यूरोप भी इस संकट को लेकर सक्रिय हो गया है।

पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती को अवसर में बदलें, युवा चिकित्सक : राज्यपाल

वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है दीक्षांत समारोह

ऋषिकेश ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन गुरुवार को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने छात्र छात्राओं को पदक और उपाधियां वितरित कीं। उपराष्ट्रपति ने कहा

कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया। उन्होंने ऋषिकेश को चिंतन और उपचार का वैश्विक केंद्र और हिमालय का प्रवेश द्वार बताते हुए उसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसा वातावरण दीक्षांत समारोह की गंभीरता को और भी गहरा कर देता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सतत नवाचार और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के व्यापक टीकाकरण अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 14 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त टीके लगाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों ने लाभ के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए टीके विकसित किए हैं।

उपराष्ट्रपति ने भारत की वैक्सीन मैत्री पहल के माध्यम से वैश्विक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया, जिसके तहत 100 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि यह पहल ''वसुधैव कुटुंबकम'' की भावना को दर्शाती है और एक दयालु और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में देश भर में स्थापित नए एम्स संस्थानों ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच को मजबूत किया है।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

13 मध्य प्रदेश बटालियन एवं 5 मध्य प्रदेश गर्ल्स बटालियन से संबंध समेरिटंस हायर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में विश्व विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आशुतोष शर्मा ने बताया कि लोगों को एनसीसी कैडेट से शिक्षा लेते हुए पर्यावरण सुधार के समस्त प्रयत्न करना चाहिए। उप प्राचार्य राजेंद्र रघुवंशी ने कहा कि पृथ्वी हमारी शक्ति और हमारा ग्रह है अपने अस्तित्व और पर्यावरण को बचाना जरूरी है इसलिए आओ हम मिलकर पृथ्वी दिवस मनाएं। एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव ने कविता सुनाई। अंत में सेकंड ऑफिसर एएनओ विजय प्रकाश श्रीवास्तव एवं एनसीसी केयरटेकर ऑफिसर स्नेहा उपाध्याय ने संयुक्त रूप से एनसीसी कैडेट को पृथ्वी दिवस पर शपथ दिलवाई।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जारी किए आदेश

भीषण गर्मी के चलते कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले में पड़ रही अत्यधिक गर्मी के कारण तापमान में वृद्धि होने से एवं लू की स्थिति को देखते हुये जिले के विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न हो इसको दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा समस्त शासकीय /अशासकीय /आई.सी.एस.ई. /सी.बी.एस.ई. /अनुदान प्राप्त /केन्द्रीय विद्यालय / नवोदय विद्यालय/अन्य समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक की समस्त कक्षाओं के लिए आगामी आदेश तक अवकाश घोषित किए जाने के आदेश जारी किए गए है।

उक्त आदेश अनुसार समस्त शासकीय संस्था प्रमुख / शिक्षक प्रात: 07:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय शासकीय कार्य संपादित करेंगे। शासन द्वारा पूर्व से निर्धारित परीक्षाएँ एवं अन्य शासकीय कार्य यथावत पूर्व निर्देशानुसार संचालित होंगें।

अवैध खनिज उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही

कलेक्टर के निर्देशानुसार मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर ट्रॉली किए जब्त

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले भर में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्यवाही की जा रही है। जिला प्रशासन की इस संबंध में 'जीरो टॉलरेंस' की स्पष्ट नीति रही है। कलेक्टर मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के मामलों में कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी परिस्थिति में ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त न किया जाए।

इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा गत दिवस कार्रवाई करते हुए मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में ग्राम झालसर सेठ, तहसील माखननगर से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया। जप्त वाहन को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।

महिला सशक्तिकरण सिर्फ नारा नहीं, विपक्ष ने दिखाया असली चेहरा- उइके

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण लोकसभा एवं विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व करने और उन्हें सशक्तिकरण बनाने के उद्देश्य से राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत बिल सदन में रखा है लेकिन विपक्ष की मंशा महिलाओं को सशक्तिकरण बनाने की नहीं दिखी परिणामस्वरूप बिल संसद में पास नहीं हुआ यह बात गुरुवार को प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष का साथ होता तो यह देश में एक इतिहास का निर्माण होता लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनके एंटी वूमेन एलायंस ने एक बार फिर दिखा दिया कि उनके लिए महिला सशक्तिकरण केवल चुनावी नारा है, वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के अधिकारों का विरोध करना रहा है जैसे उन्होंने और उनके घटक दलों ने शाहबानो प्रकरण, तीन तलाक और अनुच्छेद 370 से प्रभावित कश्मीरी महिलाओं के अधिकारों का विरोध किया इतना ही नहीं विपक्ष ने हमेशा महिला हितेषी कदम के विरोध का रास्ता भी चुना है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों पर हमेशा 98 वर्षो का एहसान देश पर थोपा है लेकिन संसद में उनकी आकांक्षाओं पर कुचलते हुए इठलाई, मुस्कुराई, मेज थपथपाई और जश्न का काम राहुल गांधी और उनके समर्थकों ने किया है जो अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष ने यह हर उस महिला का अपमान किया है जो अपने अधिकारों का वर्षो से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह केवल कहने तक सीमित नहीं है बल्कि सरकार ने करके भी दिखाया है लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों के एंटी महिला विरोधी के विरोध में भाजपा प्रदेश के समस्त शहरी, ग्रामीण अंचलों के प्रत्येक बूथ स्तर तक पहुंचकर सरकार की महिला हित की जानकारी देंगे और विश्वास अर्जित करेंगे।

पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर दिया जोर

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन' व्याख्यान आयोजित

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

स्थानीय शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने छात्राओं को बदलते मौसम में उचित आहार और मानसिक स्वास्थ्य के प्रबंधन के गुर सिखाए।

अतिथियों का स्वागत और शुभारंभ: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव और विषय विशेषज्ञ कुमारी नैना खत्री द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

प्राकृतिक पोषण ही स्वस्थ जीवन का आधार: डॉ. कामिनी जैन: प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य को मानव जीवन की धुरी बताया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा-

- हमें कृत्रिम सप्लीमेंट्स के बजाय प्राकृतिक फल, सब्जियों और पोषक तत्वों पर निर्भर रहना चाहिए।
- स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।
- आगामी परीक्षाओं और बढ़ती गर्मी को देखते हुए निर्जलीकरण (Dehydration) से बचने के लिए भरपूर पानी और जलयुक्त फलों का सेवन करें।

मानसिक तनाव प्रबंधन और 'उमंग' हेल्पलाइन: डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने किशोरावस्था में होने वाले मानसिक तनाव और उसके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने जिला टास्क फोर्स के गठन के उद्देश्य को साझा किया और 'उमंग' के टोल फ्री नंबर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सकारात्मक सोच और व्यायाम से कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

भविष्य की नींव है आज का स्वास्थ्य: नैना खत्री: विषय विशेषज्ञ कुमारी नैना खत्री ने छात्राओं को सचेत करते हुए कहा कि वर्तमान की छात्राएं ही भविष्य की माताएं हैं। अक्सर महिलाएं घर के कामों में अपने भोजन की उपेक्षा करती हैं, जिससे आगे चलकर एनीमिया, विटामिन-ष्ठ और कैल्शियम की कमी जैसी समस्याएं होती हैं। उन्होंने किशोरावस्था में आयरन और फाइबर युक्त भोजन की महत्ता पर जोर दिया।

परीक्षा के दौरान सावधानी: डॉ. रीना मालवीय ने छात्राओं को परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव और खान-पान की लापरवाही के प्रति आगाह किया। उन्होंने बताया कि नाश्ता छोड़ने और कम पानी पीने से छात्राएं परीक्षा के समय बीमार पड़ जाती हैं, जिससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ता है।

उपस्थिति और आभार: कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रीना मालवीय द्वारा एवं आभार प्रदर्शन अंकिता तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक मनीष बाघमारे, डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्वेता वर्मा, सोनम केवट सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

नर्मदा घाट पर गंगा सप्तमी की धूम, श्रद्धालुओं ने किया विधि-विधान से पूजन

बुधनी। गंगा सप्तमी (गंगा जयंती) का पर्व नगर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां गंगा का स्मरण करते हुए पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। सुबह से ही नगर के ऐतिहासिक नर्मदा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। महिला-पुरुष कलश लेकर घाट पहुंचे और विधि-विधान से पूजन किया। गंगा स्नान, दान-पुण्य और दीपदान का विशेष महत्व होने से लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पौराणिक कथाओं के अनुसार,ह्व राजा भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं, जिससे उनके पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त हुआ। इसी स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर नर्मदा घाट पर भंडारे, तुलादान, हवन-पूजन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। पंडित राकेश पराशर द्वारा मंत्रोच्चार के साथ गंगा पूजन संपन्न कराया गया। सजाए गए मंडप में श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में श्रीमती कंचन शर्मा, गंगाराम राजपूत, भागीरथ शर्मा, सुजान विश्वकर्मा, राजेंद्र शर्मा, पी.डी. खत्री, मोहन वर्मा बड़ोदिया, राजेश वर्मा, आकाश यादव, डालचंद सराठे, सानिध्य शर्मा, मिलन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गंगा सप्तमी पर किए गए दान-पुण्य और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्ति का माहौल बना रहा। पी.डी. खत्री, मोहन वर्मा बड़ोदिया, राजेश वर्मा, आकाश यादव, डालचंद सराठे, सानिध्य शर्मा, मिलन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गंगा सप्तमी पर किए गए दान-पुण्य और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्ति का माहौल बना रहा।

गंगा सप्तमी पर नपाध्यक्ष ने की नर्मदा पूजन

श्रद्धालुओं से मां नर्मदा के जल को स्वच्छ रखने किया आव्हान

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

आज गंगा सप्तमी पर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा मां नर्मदा के विवेकानंद घाट पहुंचकर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान उन्होंने घाटों का निरीक्षण किया और नपा की स्वच्छता टीम को घाटों पर त्यौहारों के पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विवेकानंद घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं से अपील की कि मां नर्मदा के जल को स्वच्छ रखने के लिए नहाते समय साबुन शैंपू का इस्तेमाल न करें। स्वच्छ जलधारा में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें। घाटों पर फूलमालाओं और हवन सामग्री के लिए अगल से डस्टबीन रखी गई है उसमें ही डालें। पन्नी पालिथिन का उपयोग कतई न करें यह नगर के साथ ही घाटों पर पूर्णत: प्रतिबंधित है।

डोवी गांव में खलिहान में भीषण आग, 7 मवेशी जिंदा जले

5 मवेशी झुलसे, लाखों का नुकसान; ग्रामीण की हालत गंभीर, प्रशासन जांच में जुटा

बुधनी ■ निसं

बुधनी तहसील के ग्राम डोवी में गुरुवार को खलिहान में लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। आग की चपेट में आने से 7 मवेशियों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि 5 अन्य मवेशी गंभीर रूप से झुलस गए।

आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। मवेशियों को बचाने के प्रयास में एक ग्रामीण भी झुलस गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दमकल की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, अन्यथा नुकसान और बढ़ सकता था।

सूचना मिलते ही तहसीलदार ललित सोनी, नायब तहसीलदार रामलोचन तिवारी एवं रमेश साहू टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 5 लाख रुपये के नुकसान की बात सामने आई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और प्रभावित परिवार गहरे सदमे में है।

शिवपुर के जाने माने चूल्हावत परिवार की रामसुता मीना का निधन

माखननगर। विकास खण्ड के ग्राम शिवपुर के जाने माने चूल्हावत परिवार की श्रीमति रामसुता पत्नि मोहनलाल मीना का बुधवार रात 70 वर्ष की आयु में निधनं हो गया । जिनकी अंतिम यात्रा शिवपुर से नर्मदा नदी के सांगाखेड़ा खुर्द घांट ले जाई गई । जहाँ उनके पुत्र पंकज मीना ने मुखाग्नि दी और मौजूद नाते रिस्तेदारों सहित शुभचिंतकों ने पंच लकड़ी देकर अंतिम विदाई दी ।

आठवें पोषण पखवाड़े का समापन, पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

महिला एवं बाल विकास विभाग, नर्मदापुरम ग्रामीण परियोजना के अंतर्गत गुरुवार 23 अप्रैल 2026 को आठवें पोषण पखवाड़े का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना कार्यालय में किया गया, जिसमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पौष्टिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में विभिन्न पोषणयुक्त रेसिपीज प्रस्तुत की गईं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि श्रीमती सीमा तिवारी, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ललित डेहरिया, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री शैलेंद्र कौरव एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त परियोजना अधिकारी नर्मदापुरम ग्रामीण श्री प्रमोद गौर, परियोजना अधिकारी नर्मदापुरम शहरी श्रीमती प्रीति यादव, समस्त पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहभागिता की।

संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित पौष्टिक व्यंजनों की रेसिपीज को गर्भवती महिलाओं एवं अन्य हितग्राहियों तक पहुंचाया जाना आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन पौष्टिक व्यंजनों को घर-घर में अपनाया जाए, ताकि यह दैनिक आहार का हिस्सा बन सके और समाज को कुपोषण एवं विभिन्न बीमारियों से मुक्ति मिल सके। उल्लेखनीय है कि पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ था, जिसके अंतर्गत जिले के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में मातृ एवं शिशु पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं जन-जागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम के साथ ही इस पखवाड़े का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

नपा में सीएमओ ने की जनसुनवाई

पीएम आवास योजना के आवेदन आए, नाली निर्माण और पेयजल संबंधी आवेदनों का किया तत्काल निराकरण

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जनसुनवाई के माध्यम से जहां नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है वहीं नपा के अधिकारी कर्मचारी भी सक्रिय हो जाते हैं। आज नगरपालिका में मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा जनसुनवाई की गई। जिसमें नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही सभी शाखाओं को सख्त निर्देश दिए गए कि जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर समयसीमा में कार्रवाई की जाए।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रति गुरूवार को नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। गुरूवार को जनसुनवाई में पीएम आवास योजना के तहत सूची में नाम जुड़वाने के आवेदन आए। जिस पर सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा संबंधित शाखा को सर्वे कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा नाली निर्माण, स्वच्छता, पेयजल संबंधी आवेदन आए थे। सीएमओ श्रीमती पटले ने सुनवाई करते हुए अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी. गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय: 4240007. डाक पंजीयन -MP/HSD/04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।